जोस बटलर ने लगाया सीजन का चौथा शतक, कोहली के दो रिकार्ड की बराबरी की

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 164 दिनांक:28-05-2022 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

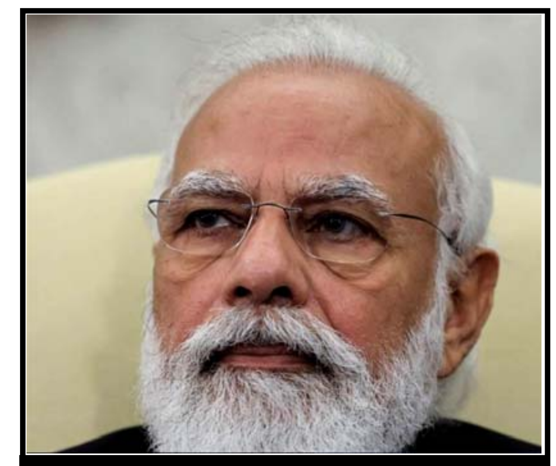

पीएम मोदी के फैसलों से बदला माहौल, आर्थिक सुधार से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा भारत लेकिन चुनौतियां भी कायम

गिरफ्तारी के करीब 8 महीने बाद एनसीबी ने दाखिल की चार्जशीट, आर्यन खान के खिलाफ नहीं मिले कोई भी सबूत

मुंबई, (ईएमएस)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो अर्थात एनसीबी ने बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को क्रूज पर ड्रग्स मिलने के मामले में शुक्रवार को क्लीन चिट दे दी. एनसीबी की एसआईटी ने विशेष एनडीपीएस कोर्ट में चार्जशीट दायर की. इस चार्जशीट में 20 आरोपियों के बजाय सिर्फ 14 आरोपियों के ही नाम दर्ज हैं. एनसीबी ने बताया की 6 आरोपियों के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले हैं जिससे यह बात साबित की जा सके की उनकी इस मामले में कोई भूमिका है. इस वजह से उनको क्लीनचिट दे दी गई. इन 6 लोगों में एक नाम आर्यन खान का भी है. इस मामले की चार्जशीट से पता चला है कि अरबाज मर्चेंट को आर्यन खान ने कहा था ड्रग्स लेकर मत लेकर आना एनसीबी बहुत एक्टिव हो गई है और अगर वो ऐसा करेगा तो समस्या में फंस सकता है. एनसीबी ने यह भी साफ कर दिया है की उनके पास ऐसे कोई सबूत नहीं मिले हैं जो यह साबित करता हो की आर्यन खान के ड्रग सिंडिकेट से संबंध थे. वहीं इस चार्जशीट के अलावा किसी भी आरोपी ने अपने बयान में आर्यन का नाम नहीं लिया. अरबाज ने अपने बयान में कहा की आर्यन ने उसे कहा था की ड्रग लेकर मत आना एनसीबी एक्टिव हो गई है. चार्जशीट के मुताबिक एनसीबी ने माना कि मुंबई एनसीबी के अधिकारियों ने नियमों को ताक पर रखकर सभी आरोपियों और संदिग्धों के मोबाइल फोन की जांच की. बता दें की बीते साल 2 अक्टूबर को एनसीबी के तत्कालीन जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े की अगुवाई में एनसीबी ने मुंबई से गोवा जा रहे कोर्डिलिया क्रूज पर छापेमारी की थी और क्रूज पर लंबे समय तक हुई छापेमारी के बाद 8 लोगों को हिरासत में लेकर गिरफ़्तार किया गया. इन लोगों के पास से कुल 13 ग्राम कोकीन, 5 ग्राम एमडी, 21 ग्राम चरस और 22 एमडीएमए के पिल्स मिले हैं जिसे ग्रीन गेट के पास से रिकवर किया गया है.

- नवाब मलिक ने क्या आरोप लगाए थे ?

पहले गिरफ़्तार हुए 8 लोगों के नाम आर्यन खान, मुनमून धमेचा, नूपुर सारिका, इसमित सिंघ, मोहक जैसवाल, विक्रांत छोकर, ग़ोमित चोपरा, और अरबाज़ मर्चेंट. इस मामले की जांच के दौरान कई उतार चढ़ाव आए. एक समय ऐसा भी आया जब महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने एनसीबी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और इस मामले के एक पंच प्रभाकर सैल ने तो यह भी कह दिया की आर्यन खान पर मामला नहीं बनाने के लिए पैसे की भी मांग की गई थी.

क्लीन चिट दिए जाने पर क्या बोले आर्यन ?

आर्यन खान मामले में इतने आरोप लगने लगे की आगे चलकर इसकी जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया और नवंबर 2021 से ही एसआईटी इस मामले की जांच कर रही थी. आर्यन खान के वकील एडवोकेट सतीश ने बयान जारी कर कहा कि 26 दिनों के लिए आर्यन खान की गिरफ्तारी और हिरासत अधिक अनुचित थी खासकर तब जब उसके पास से कोई भी ड्रग्स नहीं पाया गया था. आर्यन के पास किसी भी प्रकार का कोई सबूत नहीं था, किसी भी कानून के उल्लंघन की कोई सामग्री नहीं थी. आर्यन के वकील ने आगे कहा कि मुझे खुशी है कि संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में बनी एसआईटी ने निष्पक्षता से मामले की जांच की और साक्ष्यों के अभाव में आर्यन को बरी करने का फैसला किया. सत्यमेव जयते.

समीर वानखेड़े पर गिरेगी गाज, खराब जांच के लिए सरकार लेगी कड़ा एक्शन

मुंबई, (ईएमएस)। क्रूज डग्स केस में एनसीबी की चार्जशीट में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को क्लीन चिट मिल गई है. वहीं केंद्र सरकार ने आर्यन खान मामले के जांच अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ कड़ा एक्शन लेने को कहा है. सूत्रों के मुताबिक सरकार ने सक्षम प्राधिकारी से वानखेड़े के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा है. एनसीबी के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ आर्यन खान ड्रग्स बरामदगी मामले में उनकी घटिया जांच के लिए एक्शन की बात कही गई है. समीर वानखेड़े के फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में सरकार पहले ही कार्रवाई कर रही है. एनसीबी ने आर्यन खान को क्रूज पर ड्रग्स मिलने के मामले में शुक्रवार को क्लीन चिट दे दी. मामले में केवल 14 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है, आर्यन समेत 6 लोगों को सबूत न मिलने के कारण छोड़ दिया गया है. एनसीबी के डीजी एस.एन.प्रधान के मुताबिक आर्यन खान ड्रग्स के मामले में समीर वानखेड़े की टीम से गलती हुई. गिरफ्तारी के वक्त समीर वानखेड़े इस मामले की जांच कर रहे थे. प्रधान के मुताबिक अगर एनसीबी से गलती नहीं हुई होती तो एसआईटी जांच को अपने हाथ में क्यों लेती. मामले में एनसीबी विजिलेंस टीम की रिपोर्ट भी जल्द आ सकती है, जिसके बाद समीर वानखेड़े की मुसीबत बढ़ सकती है. वानखेड़े ने जिस तरह से केस हैंडल किया, उसमे कई खामियां पाई गईं. विजिलेंस टीम इस मामले में जल्द रिपोर्ट फाइल कर सकती है.

ओम प्रकाश चौटाला को 4 साल की सजा 50 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल सीबीआई अदालत ने शुक्रवार कोआय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी करार दिए गए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और इंडियन नेशनल लोक दल सुप्रीमोओम प्रकाश चौटाला को 4 साल कैद कीसुजा सुनाई है। इसके साथ हीअदालत ने चौटाला पर 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने चौटाला की चार संपतियों को जब्त करने के भी निर्देश दिए हैं। राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष न्यायाधीश विकास ढल की अदालत ने फैसला सुनाए जाने के समय कोर्ट रूम में मौजूद रहे ओम प्रकाश चौटाला को तुरंत हिरासत में लेने का निर्देश दिया। इससे पहले पिछले सप्ताह अदालत ने चौटाला को दोषी ठहराया था। अदालत ने जुर्माने कीरकम में से पांच लाख रुपये सीबीआई को मुकदमा खर्च के तौर पर देने को कहा है। वहीं, चौटाला की तरफ से इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करने के लिए दस दिन का समय मांगा गया। अदालत ने उन्हें राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट में इस बाबत अपील दायर करें। अदालत ने अपने फैसले में सीबीआई को निर्देश दिया है कि गलत तरीके से अर्जित की गई चौटाला की हेली रोड, पंचकूला, गुरुग्राम व असोला की अचल संपति को जब्त कर लिया जाए। यह सभी अचल संपति सरकारी संपति खाते में जाएंगी। इसके अलावा चौटाला पर लगाया गया जुर्माना भी राजस्व में जमा होगा। सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, आरोपी ओम प्रकाश चौटाला ने 24 जुलाई, 1999 से 5 मार्च, 2005 की अवधि के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए अपने परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों की मिलीभगत से चल और अचल संपत्ति जमा की, जोकि उनकी आय के ज्ञात वैध स्त्रोतों से बहुत अधिक थी। जांच के दौरान चौटाला व उनके परिवार के नाम पर एक हजार 467 करोड़ रुपये की संपति पाई गई। अभियोजन के मुताबिक, आरोपियों ने भारी संपत्ति जमा की और पूरे देश में हजारों एकड़ जमीन, मल्टी कॉम्प्लेक्स, महलनुमा आवासीय घर, होटल, फार्म हाउस, बिजनेस एजेंसियां, पेट्रोल पंप और अन्य निवेश के अलावा विदेशों में भारी निवेश किया। एफआईआर में यह भी कहा गया है कि नकदी और आभूषण के अलावा कुल 43 अचल संपात्तियां जमा की गईं। एफआईआरमें सूचीबद्ध 43 कथित संपत्तियों के अलावाअतिरिक्त संपत्तियां भी आरोपी परिवार की होने का संदेह पाया गया।

हिंद महासागर में आ सकती है सुनामी, इंडोनेशिया और पूर्वी तिमोर में जोरदार भूकंप के बाद जारी की गई चेतावनी

जकार्ता (ईएमएस)। पूर्वी तिमोर देश के तट पर शुक्रवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने इसकी सूचना दी है। समूह ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि भूकंप के झटकों से सुनामी आ सकती है जो हिंद महासागर क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। यूएसजीएस ने कहा कि भूकंप का केंद्र तिमोर द्वीप के पूर्वी सिरे से 51.4 किमी की गहराई में था जो पूर्वी तिमोर और इंडोनेशिया के बीच पड़ता है।

खबरों के अनुसार इंडियन ओसीन सुनामी वॉर्निंग एंड मिटिगेशन सिस्टम ने क्षेत्र में सुनामी की चेतावनी जारी की है। भूकंप के झटके महसूस करने वाले एएफपी के एक पत्रकार ने कहा कि यह 'बहुत जल्द खत्म हो गया'। लोग सामान्य रूप से अपना काम करते रहे। इंडोनेशिया के पूर्वी प्रांत मालुकु में भी शुक्रवार को 6.5 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया, लेकिन किसी के हताहत होने या नुकसान की खबर नहीं है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार देश के मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की है, क्योंकि झटके संभावित रूप से विशाल लहरों को ट्रिगर नहीं कर सकते हैं। एजेंसी ने कहा कि भूकंप सुबह 9.36 बजे आया, जिसका केंद्र मालुकु बारात दया जिले से 85 किमी दक्षिण-पश्चिम में 104 किमी की गहराई में था।

भूकंप के झटके पास के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत और पड़ोसी देश तिमोर लेस्ते में भी महसूस किए गए। भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा झटके से निवासियों में दहशत फैल गई और कुछ क्षेत्रों में इसे जोरदार महसूस किया गया, लेकिन नुकसान या हताहत होने की कोई प्रारंभिक रिपोर्ट नहीं थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि भूकंप के प्रभावों के लिए जोखिम मूल्यांकन चल रहा था। अधिकारियों ने बताया अब तक, कोई घर या इमारत नष्ट नहीं हुई या कोई घायल नहीं हुआ। लेकिन स्थानीय आपदा एजेंसी के कर्मी प्रभाव का आकलन करते रहते हैं।

कार्टून कोना

लद्दाख में 26 जवानों को ले जा रहा वाहन श्योक नदी में गिरा, 7 की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। लद्दाख के तुरतुक सेक्टर में सुबह नौ बजे लद्दाख के परतापुर के ट्रांजिट कैम्प से 26 सैनिकों को लेकर हनीफ सब सेक्टर के अग्रिम चौकी की ओर रवाना हुआ वाहन सड़क से फिसलकर 50 से 60 फ़ीट गहरी श्योक नदी में जा गिरा।

सभी जख्मी 26 जवानों को निकालकर परतापुर के 403 फील्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेह से सर्जिकल टीम को परतापुर अस्पताल भेजा गया। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक सात सैनिकों को मृत घोषित कर दिया गया है। बाकी घायल बचे 19 सैनिकों को वायुसेना की मदद से वेस्टर्न कमांड के अस्पताल चंडीमंदिर शिफ्ट कर दिया गया है, ताकि उनको बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, 'लद्दाख में हुई बस दुर्घटना से काफी दुखी हूं, जिसमें हमने अपने बहादुर सैनिकों को खो दिया है। मेरी संवेदनाएं शोकसंतप्त परिवारों के साथ हैं। मुझे आशा है कि घायल लोग जल्द स्वस्थ हो जाएंगे। प्रभावितों को हरसंभव सहायता दी जा रही है।'

बिहार- जाति जनगणना पर नीतीश कुमार की बैठक में भाजपा के शामिल होने के मायने आखिर क्या?

पटना (ईएमएस)। बिहार में जाति जनगणना के मुद्दे पर नीतीश कुमार द्वारा बुलाई बैठक में भाजपा के शामिल होने के पीछे मायने अब खोजे जाने लगे हैं। बिहार भाजपाध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल का कहना है कि उनकी पार्टी की सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) सुप्रीमो और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक जून को बुलाई जाने वाली जाति जनगणना को लेकर सर्वदलीय बैठक में भाग लेगी। उनका यह बयान दोनों सहयोगी दलों के बीच जारी तनावपूर्ण संबंधों को कम करने की कोशिश हो सकती है, लेकिन इससे जद (यू) अधिक प्रभावित नहीं हुई है।

आपको बता दें कि कुछ महीने पहले बिहार के वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने संसद को बताया था कि जाति की जनगणना नहीं की जा सकती है। भाजपा शासित केंद्र 2011 की 'समस्याग्रस्त और गलत' जाति जनगणना का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दे रहा है कि इसका संचालन करना अव्यावहारिक होगा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने कहा है कि केवल जाति जनगणना से सामाजिक न्याय सुनिश्चित नहीं होगा और भगवा पार्टी ने ठसबका साथ, सबका विकासठ के अपने लक्ष्य को साकार करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भाजपा ने ओबीसी पर एक राष्ट्रीय पैनल का गठन किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में 27 ओबीसी मंत्रियों को शामिल करना सुनिश्चित किया है।

हालांकि, बिहार भाजपा ऐसी किसी भी व्याख्या से दूर रहेगी जिससे यह आभास हो कि वह जाति जनगणना के प्रस्ताव को रोकना चाहती थी। वह शुरू से ही इस प्रस्ताव का समर्थन करती रही है। आपको बता दें कि नीतीश कुमार की सरकार के द्वारा कुछ साल पहले बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों में इस प्रस्ताव को पेश किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। बिहार भाजपा भी राज्य के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थी, जो पिछले साल पीएम मोदी से मिलने के लिए जाति जनगणना कराने की आवश्यकता के लिए दबाव बनाने गया था। पार्टी ने अपने मंत्री जनक राम को पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजा था। इस मुद्दे पर बिहार बीजेपी नीतीश कुमार का साथ देने के लिए मजबूर है क्योंकि वह नहीं चाहती है कि सिर्फ जद (यू) को इसका राजनीतिक लाभ मिले।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी अपने सोशल मीडिया पोस्ट और लेखों के माध्यम से नियमित रूप से जाति जनगणना के विचार का समर्थन करते रहे हैं। उन्होंने हाल ही में यह भी कहा कि भाजपा ने हमेशा विधानसभा के भीतर और बाहर इस विचार का समर्थन किया। जायसवाल ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए हैं। जाति जनगणना पर उन्होंने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, ठकेंद्र की इच्छा के बिना भाजपा में कुछ भी नहीं होता है। उन्होंने देखा है कि 2011 की जाति जनगणना कितनी समस्याग्रस्त थी।ठ बिहार भाजपा स्पष्ट रूप से नीतीश के जातिगत जनगणना के दबाव को बिहार के वरिष्ठ सहयोगी को नियंत्रण में रखने के लिए केंद्रीय भाजपा पर दबाव बनाने की एक रणनीति के रूप में देखती है। यह जाति जनगणना पर संवैधानिक वैधता के सवाल से अवगत है यदि यह किसी राज्य द्वारा किया जाता है। इसने यह भी कहा है कि कुछ राज्यों ने इसे आजमाया है और केंद्र एक राज्य के पक्ष में था जो अपनी जाति की जनगणना कर रहा था।

हालांकि जो मुद्दा दांव पर लगा है वह राजनीतिक रुख और प्रतिवाद से जुड़ा है। राजनीतिक दलों के बीच सामाजिक न्याय की रेखा धुंधली होने के साथ, विशेष रूप से केंद्र द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए एक कोटा पेश किए जाने के साथ, बिहार भाजपा नीतीश के सबसे बड़े राजनीतिक अखाड़े को कुंद करने की कोशिश कर रही है। जाति जनगणना के मुद्दे पर एक अस्पष्ट रुख पर अड़े रहने का जिक्र करते हुए केंद्रीय भाजपा ने अपने बिहार के नेताओं से इस पर सीधे सवाल नहीं उठाने को कहा है। जद (यू) के संबंध में यह माना जाता है कि जाति जनगणना पर राज्य और केंद्र स्तर पर भाजपा की पंक्तियों में स्पष्ट अंतर एक राजनीतिक डिबेट को पुष्ट करता है। भाजपा इस बात को जानती है कि बिहार अपनी जाति की जनगणना करता है तो इसका श्रेय नीतीश कुमार को ही मिलेगा।

कर्नाटक में हिजाब को लेकर फिर मौहाल गर्म, मंगलौर यूनिवर्सिटी ने हेडस्कार्फ पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया

मंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में हिजाब को लेकर वक्त माहौल फिर गर्म हो गया, जब मंगलौर यूनिवर्सिटी ने नियम में संशोधन कर परिसर और कक्षाओं के भीतर हेडस्कार्फ पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यूनिवर्सिटी के फैसले का चौतरफा विरोध हो रहा है। मंगलौर यूनिवर्सिटी सिंडिकेट को अपने फैसले के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों के प्रतिरोध व आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। संशोधित नियम यूनिवर्सिटी के 6 संबद्ध कॉलेजों पर भी लागू होता है, जिसमें यूनिवर्सिटी कॉलेज भी शामिल है। इससे पहले, यूनिवर्सिटी कॉलेज में मुस्लिम लड़कियों को यूनिफॉर्म की शॉल से अपना सिर ढकने की इजाजत थी। लेकिन नए नियम में इस खत्म कर दिया गया है। गत 16 मई को बेंगलुरु में मंगलौर यूनिवर्सिटी सिंडिकेट की बैठक में इस नियम को खत्म कर 6 कॉलेजों को 17 मई से नए नियम लागू करने के लिए निर्देशित किया गया। यूनिवर्सिटी कॉलेज के प्रिंसिपल अनसूया राय ने बताया कि उन्होंने मुस्लिम लड़कियों को सिंडिकेट के फैसले का पालन करने के लिए कहा है।

उन्होंने कहा, हमारे कॉलेज की 44 मुस्लिम छात्राओं में से केवल 10 छात्राएं नियमित रूप से कक्षा में भाग ले रही हैं। हमने अन्य छात्राओं से कैंपस में लौटने के लिए कई दौर की बातचीत की है। इधर मुस्लिम लड़कियों का कहना है कि संशोधित नियम पीयू और निचली कक्षाओं तक ही सीमित है, न कि डिग्री या स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए। उन्होंने तर्क दिया कि नियम को एक शैक्षणिक वर्ष के मध्य में लागू नहीं किया जा सकता है, जो यथास्थिति को बिगाड़ता है। यूनिवर्सिटी कॉलेज के स्टूडेंट यूनियन ने कुछ मुस्लिम छात्राओं द्वारा नए नियम का पालन नहीं करने को लेकर कैंपस में विरोध प्रदर्शन कर हिजाब पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की।

एक प्रोफेसर ने कहा, एक सप्ताह पहले नियम लागू होने के बाद से परिसर में स्थिति तनावपूर्ण है। कुछ मुस्लिम छात्राएं कक्षाओं के बाहर बैठी थीं और कुछ अनुपस्थित थीं। कॉलेज यूनियन के सदस्यों पर बिना किसी नरमी के नियम को सख्ती से लागू करने का दबाव था। इधर एबीवीपी समर्थित स्टूडेंट यूनियन ने यूनिवर्सिटी कॉलेज के प्राचार्य और अधिकारियों पर एक 'प्रभावशाली, स्थानीय नेता' के दबाव में इस मुद्दे को हल करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। एक प्रदर्शनकारी छात्र ने कहा, 'हम उच्च न्यायालय के आदेश को लागू करने की मांग कर रहे हैं, कॉलेज अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के बावजूद, वे इस लागू नहीं कर रहे थे। हम विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे थे, इसे देखते हुए अधिकारियों ने अब आदेश को लागू करने का फैसला किया है।

पहले नहीं बल्कि समय पर केरल पहुंचेगा मॉनसून

नई दिल्ली (ईएमएस)। मॉनसून के अगले दो से तीन दिनों के भीतर केरल पहुंच सकता है। यह लगभग अपने निर्धारित समय पर ही केरल पहुंच सकता है। इससे पहले, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक पखवाड़े पहले बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवाती तूफान 'आसनी' के प्रभाव के कारण शुक्रवार (27 मई) को केरल में मॉनसून की शुरुआत का अनुमान जताया था। पूर्वानुमान में चार दिनों की 'मॉडल' त्रुटि थी। विभाग ने कहा, ''मौसम संबंधी नये संकेतों के अनुसार, दक्षिण अरब सागर के निचले स्तरों में पछुआ हवाएं चलनी तेज हो गई हैं। सैटेलाइट तस्वीरों के अनुसार केरल तट और उससे सटे दक्षिण पूर्व अरब सागर में बादल छाए हुए हैं। इसलिए, अगले दो से तीन दिनों के दौरान केरल में मॉनसून की शुरुआत के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। ''ल

मॉनसून वक्त से काफी पहले 16 मई को अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह पहुंच गया था और चक्रवात के शेष प्रभाव के चलते इसके आगे बढ़ने के आसार थे। ब्रिटेन स्थित 'यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग' में शोधकर्ता अक्षय देवरस ने ट्विटर पर कहा, ''मॉनसून अब केरल के अक्षांश पर पहुंच गया है। हालांकि, राज्य में बारिश का होना मॉनसून की शुरुआत की घोषणा करने के लिए अभी उचित नहीं है।'' विभाग ने केरल और लक्षद्वीप में हल्की / मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है और अगले पांच दिनों के दौरान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में हल्की बारिश का अनुमान जताया है।

मौसम कार्यालय ने अगले चार दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हल्की / मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। अगले दो से तीन दिनों के दौरान उत्तराखंड, उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में दूरदराज के क्षेत्रों में बारिश होने का अनुमान है।

पीएम मोदी ने कहा, ड्रोन भेज दूता हूं, वहां निर्माण कार्य की जानकारी लेकर आ जाता हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रगति मैदान में दो दिवसीय 'भारत ड्रोन महोत्सव 2022 का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम ने कहा, ड्रोन तकनीक को लेकर भारत में जो उत्साह देखने को मिल रहा है, वह अद्भुत है। जो ऊर्जा नजर आ रही है, वह भारत में ड्रोन सर्विस और ड्रोन आधारित इंडस्ट्री की लंबी छलांग का प्रतिबिंब है। यह भारत में रोजगार के एक उभरते हुए बड़े सेक्टर की संभावनाएं दिखाती हैं।''

पीएम मोदी ने कहा, जब केदारनाथ के पुनिर्माण का काम शुरू हुआ था,तब हर बार मेरे लिए वहां जाना संभव नहीं था। इसके बाद मैं ड्रोन के जरिए केदारनाथ के काम का निरीक्षण करता था। आज सरकारी कामों की गुणवत्ता को देखना है, तब यह जरूरी नहीं है कि मुझे वहां निरीक्षण करने लिए जाना है। उन्होंने कहा, मैं ड्रोन भेज दूं तब जानकारी वह लेकर आ जाता है और उन्हें पता भी नहीं चल पाता है कि मैंने जानकारी ले ली है।''

पीएम मोदी के फैसलों से बदला माहौल, आर्थिक सुधार से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा भारत लेकिन चुनौतियां भी कायम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आठ साल के कार्यकाल में लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं जिससे भारत में कारोबारी माहौल बदला है। सरकार के आर्थिक सुधार से भारत ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया है। हालांकि अभी भी कई चुनौतियां कायम हैं...

नई दिल्ली। वर्ष 2014 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2.04 लाख करोड़ डालर का था जो वर्ष 2019 तक 2.87 लाख करोड़ डालर हो गया। हालांकि कोरोना महामारी की वजह से जीडीपी में थोड़ी कमी आई है, लेकिन चालू वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का जीडीपी तीन लाख करोड़ डालर को पार कर सकता है। आर्थिक विकास की बदौलत भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आठ साल के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

बदलाव की ओर बढ़े कदम

इसमें जीएसटी लागू करने से लेकर, सभी गांवों का विद्युतीकरण, जनधन योजना, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, पीएलआइ स्कीम, दिवालिया कानून, ईज आफ डूइंग बिजनेस, डिजिटलीकरण जैसे सुधार कार्यक्रम प्रमुख रूप से शामिल हैं। वित्तीय समावेश के लिए प्रधानमंत्री जनधन योजना की शुरुआत की गई और इस योजना के तहत 45.41 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं और इनमें 1,67,145.80 करोड़ रुपये जमा हैं।

421 अरब डालर का निर्यात

मेक इन इंडिया और पीएलआइ स्कीम का फायदा यह हुआ कि वस्तुओं के निर्यात में बढ़ोतरी होने लगी। पिछले आठ साल में वस्तुओं के निर्यात में 100 अरब डालर से अधिक की बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2013-14 में 312 अरब डालर का निर्यात किया गया था और जो वर्ष 2021-22 में आरबीआइ के आंकड़ों के मुताबिक 421 अरब डालर का रहा।

पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को ईडी ने 31 मई को पूछताछ के लिए बुलाया

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को प्रवर्तन निदेशालय ने तलब किया है। अब्दुल्ला को कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। खास बात है कि इसके पहले ईडी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख की 12 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच के संबंध में नोटिस जारी किया था। खबर है कि ईडी करीब 94 करोड़ रुपये की हेराफेरी के मामले में अब्दुल्ल से पूछताछ करेगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पूर्व सीएम को 31 मई को ईडी के श्रीनगर दफ्तर में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। अब्दुल्ला ने दिसंबर 2020 में जारी हुए ईडी के आदेश को जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। ईडी ने आरोप लगाए थे कि अब्दुल्ला ने जम्मू और कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) के अध्यक्ष के तौर पर पद का 'दुरुपयोग' किया था। अबदुल्ला ने 2001 से 2011 के बीच कई नियुक्तियां की, ताकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रायोजित रकम को हासिल किया जा सके। अब्दुल्ला ने कहा था कि ईडी की तरफ से अटैच की गई संपत्तियां कथित आपराधिक गतिविधियों से संबंधित नहीं हैं। उस दौरान उन्होंने मूल अधिकारों के हनन का आरोप लगाया था।

आरसीबी को हराकर राजस्थान फाइनल में, अब टक्कर गुजरात टाइटंस के साथ

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आइपीएल 2022 के क्वालीफायर 2 मुकाबले में राजस्थान रायल्स का सामना रायल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ हुआ। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने इस मैच में आरसीबी के खिलाफ टास जीत लिया और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रजत पाटीदार की 58 रन की पारी की मदद से 20 ओवर में 8 विकेट पर 157 रन बनाए।

इसके बाद राजस्थान की टीम ने दूसरी पारी में जोस बटलर की तूफानी नाबाद शतकीय पारी के दम पर 18.1 ओवर में 3 विकेट गंवाकर जीत के को लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। इस मैच में राजस्थान को 7 विकेट से जीत मिली और ये टीम फाइनल में पहुंच गई। अब फाइनल में राजस्थान का सामना 29 मई को गुजरात टाइटंस के साथ होगा। जोस बटलर को उनकी बेहतरीन पारी की वजह से प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

राजस्थान की जीत, बटलर का चौथा शतक

बैंगलोर से मिले 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की शुरुआत धमाकेदार रही। पहले 5 ओवर में यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर ने मिलकर 61 रन जोड़ डाले। 21 रन बनाने के बाद यशस्वी आउट होकर वापस लौटे। यह विकेट जोस हेजलवुड ने बैंगलोर को दिलाया। 23 गेंद पर 6 चौके और 3 छक्के के दम पर जोस बटलर ने अपना अर्धशतक पूरा किया। 10 ओवर में राजस्थान ने 1 विकेट के नुकसान पर 103 रन बना डाले।

23 रन बनाने के बाद कप्तान संजू सैमसन बड़ा शाट लगाने की कोशिश में हसरंगा की गेंद पर दिनेश कार्तिक द्वारा स्टंप किए गए। देवदत्त पडिक्कल 9 रन बनाने के बाद जोस हेजलवुड की गेंद पर विकेट के पीछे दिनेश कार्तिक को कैच दे बैठे। बटलर ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए 59 गेंद पर शतक जमाया। यह इस सीजन में उनका चौथा शतक रहा इसी के साथ उन्होंने विराट कोहली के एक सीजन में सबसे ज्यादा चार शतक की बराबरी कर ली। बटलर ने 60 गेंदों पर 106 रन की नाबाद पारी खेली जबकि हेटमायर 2 रन बनाकर नाबाद रहे।

आरसीबी की पारी, रजत का अर्धशतक

आरसीबी की शुरुआत राजस्थान के खिलाफ अच्छी नहीं रही और ओपनर बल्लेबाज विराट कोहली महज 7 रन पर अपना विकेट गंवा बैठे। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर विराट कोहली का कैच संजू सैमसन ने पकड़ा। कप्तान डुप्लेसिस ने 25 रन की पारी खेली और मैककाय की गेंद पर अपना कैच आर अश्विन को थमा बैठे। ग्लेन मैक्सवेल ने 13 गेंदों पर 24 रन की पारी खेली और इस दौरान 2 छक्के व एक चौका भी लगाया, लेकिन ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर मैककाय ने उनका बेहतरीन कैच पकड़ा।

रजत पाटीदार ने चहल की गेंद पर छक्का लगाते हुए 40 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 42 गेंदों पर 3 छक्के और 4 चौकों की मदद से 58 रन की पारी खेली और अश्विन की गेंद पर आउट हो गए। महिपाल लोमरोर 8 रन बनाकर जबकि दिनेश कार्तिक 6 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हो गए। वानिन्दु हसरंगा बिना खाता खोले ही प्रसिद्ध कृष्णा का तीसरा शिकार बने। शाहबाज अहमद 12 रन बनाकर जबकि जोस हेजलवुड एक रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा व मैककाय ने तीन-तीन जबकि बोल्ट व अश्विन को एक-एक सफलता मिली।

जन हितैषी

चर्चा में गन कल्चर

टेक्सास में 18 साल एक युवक ने एके-47 से अपनी दादी को गोली मारी फिर स्कूल पहुंचकर अंधाधुंध फायरिंग की। अमेरिका को हिला देने वाली यह घटना 24 मई 2022 को हुई। 22 लोगों की मौत हो गई। इस घटना ने फिर से अमेरिका के गन कल्चर को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। लेकिन अमेरिका में इस तरह की यह पहली घटना नहीं है। ऐसी घटनाओं से सीखने की अमेरिका का जो रिकॉर्ड है उससे लगता है कि शायद आखिरी भी न हो। 2022 अभी आधा भी नहीं बीता है। लेकिन अमेरिका में 144 दिन में सामूहिक गोलीबारी की 212 घटना हो चुकी है। ऐसी 27 घटना तो स्कूलों में भी हो चुकी है। अमेरिका में इस तरह की घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण वहां का गन एक्ट है। अमेरिका में गन कल्चर का संबंध वहां के संविधान से जुड़ा है। इस देश में बंदूक रखने का कानूनी आधार संविधान के दूसरे संशोधन में निहित है। इसलिए बहुत आसानी से हथियारों की खरीदारी की जा सकती है। द गन कंट्रोल एक्ट 1968 के मुताबिक, राइफल या कोई भी छोटा हथियार खरीदने के लिए उम्र कम से कम 18 साल होनी चाहिए। दूसरे हथियार जैसे हैंडगन खरीदने के लिए 21 साल की उम्र होनी चाहिए। आज 33 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में आम नागरिकों के पास 39 करोड़ हथियार हैं। गन कल्चर के कारण अमेरिका में हिंसा पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चुनाव के दौरान गन कल्चर पर रोक का वादा किया था, लेकिन इस पर अब तक कोई पहल नहीं की जा सकी है। अमेरिका में 2021 में 693 सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं हुईं। 2020 में 611 जगह गोलीबारी हुई तो 2019 में 417 जगहों पर ऐसी ही वारदात को अंजाम दिया गया। आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में अमेरिका के स्कूलों में गोलीबारी की 34 घटनाएं सामने आईं। 2020 में 10 स्कूलों तो 2018 व 2019 में 24-24 घटनाएं सामने आई थी। अमेरिका 1783 को ब्रिटेन से आजाद हुआ था। बंदूक की जोर पर अमेरिका को स्वतंत्रता मिली थी इसके बाद अमेरिका में संविधान बना। फिर साल 1791 में संविधान में दूसरा संशोधन लागू हुआ और उसी के तहत अमेरिकी नागरिकों को हथियार रखने के अधिकार मिल गया। अमेरिकी लोग सब्जी भाजी की तरह गन बाजार से खरीद सकते थे लेकिन इसकी कीमत अमेरिका चुका रहा है। सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, हर साल औसतन 12 हजार मौतें बंदूकों से होती हैं। अमेरिका में 66 फीसदी लोगों के पास एक से अधिक बंदूकें मौजूद हैं। दुनिया भर में आम लोगों के पास जितनी बंदूकें हैं उनका 48 फीसदी केवल अमेरिकियों के पास हैं हथियारों की बिक्री से अमेरिका की आर्म इंडस्ट्री को हर साल 91 हजार करोड़ की कमाई होती है। 2.65 लाख लोग अकेले अमेरिकी आर्म इंडस्ट्रीज से ही जुड़े हैं अमेरिकी अर्थव्यवस्था में केवल हथियारों की बिक्री से ही 90 हजार करोड़ रुपए आते हैं। अमेरिका में करीब 31 करोड़ हथियार, हर साल एक करोड़ से ज्यादा पिस्टल जैसे हथियारों का निर्माण होता है। आजादी के करीब 239 साल के बाद भी आज भी अमेरिका इस कानून को बदल नहीं पाया है। अमेरिका में गन कल्चर भले ही वहां के युवाओं को प्रभावित करती हो, लेकिन इसकी कीमत भी समय-समय पर अमेरिकी लोगों को चुकानी पड़ती है। लाखों आम लोगों के साथ-साथ अमेरिका के चार पूर्व राष्ट्रपति की हत्या के पीछे भी कहीं न कहीं गन कल्चर का ही हाथ हैं राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन और राष्ट्रपति जेम्स ए गारफील्ड की हत्या भी बंदूक से ही की गई थी। आज भले ही गन कल्चर अमेरिकी लाइफ का एक हिस्सा बन गया है लेकिन कई देश के अधिकांश लोग आज भी इस कल्चर के खुश नहीं हैं। अमेरिका में बंदूक रखना शौक है। हर घर में बंदूक होती है। जाहिर है, कभी-कभी बंदूकें बच्चों के हाथ लग जाती हैं। कई बार बच्चे खेल-खेल में खुद की या अपने भाई-बहन की जान ले लेते हैं। पिछले 50 सालों में अमेरिका में बंदूक की वजह से 15 लाख से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। यह संख्या 250 सालों के अमेरिकी इतिहास के तमाम युद्धों में मारे गए सैनिकों की संख्या से कहीं ज्यादा है। सवाल वही है हर ऐसी घटनाओं के बाद रोने वाला अमेरिका क्या वाकई में गन लॉबी के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत जुटा पाएगा? क्या अमेरिकी जनता और वहां का तंत्र हथियारों से अपने प्रेम को तिलांजलि दे पाएगा?

भूख का सही निदान रोजगार एवं कृषि विकास से ही सम्भव!

(28 मई भूख दिवस पर विशेष)प्राणी जीवन के लिये रोटी, कपड़ा और मकान नितांत आवश्यक है। प्राणी आवास एवं कपड़ा के बिना रह सकता है पर रोटी के बिना जी नहीं सकता । भूख सभी को लगती है। जब भूख लगती है तो भूख को मिटाने के लिये हर तरह का नैतिक, अनैतिक कायै करने को मजबूर हो जाता है। कभी कभी भूख मिटाने के कदम इतने खतरनाक साबित हो जाते जहां से जिंदगीं विरान हो जाती है। वह सबसे अलग थलग हो जाता है। आज की जवलंत समस्या आतंकवाद एवं नक्सलवाद में भूख की समस्या भी एक प्रमुख कारण है। भूख मिटाने के लिये अर्थ का होना बहुत जरूरी है। अर्थ प्राप्ति का साधन रोजगार है। रोजी से रोटी संभव है और रोटी ही भूख को मिटा सकती है।

प्रति वर्ष 28 मई को विश्व भूख दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व भूख दिवस भूख मिटाने की दिशा में जागरूक करने की एक विशेष पहल है। भूख से किसी प्राणी की अकाल मृत्यु न हो, इस दिशा में सार्थक कदम उठाने के लिये भूख दिवस मनाने की परम्परा शुरू हुई। इस दिशा में भूख मिटाने के प्रमुख संसाधन कृषि पर विशेष जोर देने की विश्व स्तर पर प्रमुख चर्चा होती रही है। भूख मिटाने में अन्न की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अन्न की प्राप्ति कृषि से ही संभव है। जब विश्व स्तर पर अन्न का भंडार भरा रहेगा, वितरण सही ढंग से होता रहेगा, भूख की समस्या का समाधान भी आसान हो जायेगा।

देश की ज्वलंत समस्या में आज भी भूख की समस्या प्रमुख बनी हुई है। इस समस्या से देश की अधिकांश आबादी आज भी जूझ रही है जबकि आने वाली हर सरकार इसके समाधान में निःशुल्क राशन वितरण, उज्ज्वला गैस योजना के साथ सथ अनेक तरह की घोषणाएं भी करती रहती है। फिर भी यह समस्या बनी हुई है। इसका प्रमुख कारण है कि इस दिशा में वितरण प्रणाली में कहीं न कहीं कमी अवश्य है । जिसे योजना का लाभ मिलना चाहिए, उसे नहीं मिल पाता। भूख मिटाने की दिशा में कृषि जो प्रमुख संसाधन है, जहां से अन्न प्रचूर मात्रा में देश को उपलब्ध हो सकता है, राजनीतिक ग्रस्त होने के कारण सही ढंग से विकास नहीं हो पा रहा है। जिससे कृषि की उपज का सही मुल्य एवं सही ढंग से उपयोग एवं वितरण नहीं होने से कृषि जनक किसानों का कृषि की ओर से मोह भंग होता जा रहा है। आज भी देश के अन्न भंडार में अन्न सड़ने की बात उजागर होती रहती है और अन्न की कमी से भूख से मौत की भी बात समाचार के मुख्य पृष्ठ का आवरण भी बनी हुई है। देश में बेराजगारों की फौज दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है। जो गरीबी का कारण हो सकती है। इस तरह की बढ़ती फौज की भूख लूट, अपहरण, हत्या, चोरी एवं अनेक संगीन अपराध का कारण बन सकती है। भूख दिवस पर विश्व स्तर पर इस दिशा में चिंतन, समाधान की महती आवश्यकता है। वरना भूख की ज्वाला में सबकुछ जलकर भस्म हो जायेगा। (लेखक-डॉ. भरत मिश्र प्राची / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

28 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

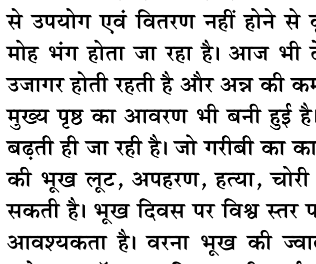

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.30 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	08.43 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	10.59 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.11 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	15.22 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.37 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.53 बजे से
राहु	मेष में	मकर	21.58 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	23.44 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मीन	01.17 बजे से
		मेष	02.48 बजे से
		वृष	04.28 बजे से

शनिवार 2022 वर्ष का 148 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 13.10 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 04.39 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** शोभन 22.22 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.10 बजे तदनन्तर विष्टि 02.00 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871262 **जूलियन दिन** 2459727.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सव्वाल **तारीख** 26 **विशेष** मासिक शिवरात्रि, अग्नि नक्षत्रम् समाप्त।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजारों की सट्टेबाजी से वैश्विक आर्थिक संकट

वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के सभी देशों की आर्थिक विकास की दर कई गुना बढ़ा दी थी। 2003 के बाद भारतीय शेयर बाजार सहित दुनिया भर के शेयर बाजार कर्ज एवं विकास के अर्थ व्यवस्था की उड़ान भरकर हवा - हवाई हो गए थे। कारपोरेट जगत ने वित्तीय संस्थानों से बड़े पैमाने पर कर्ज लिये। हवा - हवाई योजनाएं बनाई। सरकारों ने भी शेयर बाजार के जरिये शेयरों की खरीद बिक्री में सट्टेबाजी के जरिए कारपोरेट जगत को आसानी से पूंजी उपलब्ध कराना शुरु कर दिया। शेयर बाजार में 10 रुपये अथवा 100 रुपये के शेयर मूल्य पर सैकड़ों रुपये के प्रीमियम के साथ कंपनियों में निवेश करने की नई व्यवस्था शुरु हुई। शेयर बाजार को जीडीपी से जोड़कर वास्तविक विकास की वृद्धि का स्थान शेयर बाजारों की सट्टेबाजी ने ले लिया। इसमें आर्थिक विकास कागजों पर बड़ी तेजी के साथ बढ़ा।

सरकारें भी शामिल :

आर्थिक विकास की होड़ में विभिन्न देशों की सरकारें, बैंक, वित्तीय संस्थान भी शामिल हो गए। म्यचुअल फंड पेंशन फंड , प्रोबिडेंट फंड, इक्वटी फंड इत्यादि की पूंजी भी शेयर बाजार के जरिये कारपोरेट जगत को आसानी से उपलब्ध होने लगी। एक दशक पूर्व वैश्विक स्तर पर गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों का निवेश 30 ट्रिलियन डालर का था। जो वर्तमान में बढकर 63 ट्रिलियन डालर से उपर पंहुच गया है।

2008 में अमेरिका की आर्थिक मंदी में सैकड़ों बैंक एवं वित्तीय संस्थायें दिवालिया हो गई थी। उसके बाद शेयर बाजार के माध्यम से कारपोरेट जगत में तेजी के साथ निवेश बढ़ा। शेयर बाजार के जरिये कारपोरेट जगत से जुड़े कारोबारियों ने अरबों - खरबों रुपये कमाये। शेयर बाजार के जरिये कारपोरेट जगत में जो बहार आई थी। वह कृत्रिम तेजी थी, जिसका वास्तविक्ता से कोई लेना-देना नहीं था। अब वह कर्ज के बोझ से दबकर दिवालिया होने की कगार पर पंहुच गई है।

भारत जैसे देश में पिछले 8 वर्षो में हजारों कंपनियां कर्ज के बोझ से दबकर बंद हो गई। बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं का लाखों करोड़ रुपया कंपनियों और कारपोरेट जगत में फंस गया। सरकार और बैंकों ने मिलकर लगभग 8 लाख करोड़ रुपयों की देनदारी को राईट -ऑफ कर अपनी बेलेंसशीट सुधारने का प्रयास किया। इसके बाद भी समस्या खत्म होने के स्थान पर केंसर की बीमारी की तरह आपरेशन के बाद और तेजी से बढ़ रही है। सैंकड़ों कम्पनियों ने अभिकरण में दिवालिया होने के लिए आवेदन कर रखे हैं। जिन कंपनियों ने दिवालिया कानून के तहत आवेदन किया है। उन कम्पनियों से 25 फीसदी राशि भी वसूल नहीं हो पा रही है। एनपीए बढ़कर 8.34 लाख करोड़ से ऊपर हो चुका है।

दुनिया के सभी देश कर्ज के संकट में फंस चुके हैं। वैश्विक व्यवस्था में जीडीपी का 24 फीसदी ऋण वैश्विक वित्तीय संस्थाओं से सरकारों को मिल जाता है। दुनिया के 69 देश अधिकतम सीमा का ऋण ले चुके है। भारत भी कुल जीडीपी का लगभग 20 फीसदी कर्ज ले चुका है। कर्ज के बोझ से दबी सरकारों को कर्ज की अदायगी, मंहगाई, बेरोजगारी तथा कोविड के बाद खाद्यान्न, कर्ज के संकट का सामना करना पड़ रहा है। कई देशों के पास आयात करने के लिये विदेशी मुद्रा नहीं है। रूस पर आर्थिक प्रतिबंध तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद आयात- निर्यात का संतुलन विकासशील एवं विकसित देशों का बिगड़ चुका है। जिसके कारण दर्जनों देशों में बगावत तथा गृह युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई है। खाद्यान्न एवं कर्ज संकट का सामना दुनिया के 70 से अधिक देश कर रहे हैं। जिसके कारण दुनिया के अधिकांश देशों में अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है।

शेयर बाजार की गिरावट से वित्तीय संस्थान होंगे दिवालिया

शेयर बाजरों के जरिये कारपोरेट जगत में किया गया निवेश बड़ी तेजी से गिर रहा है। आर्थिक मंदी और बदहाली की स्थिति में शेयर बाजार की गिरावट से कारपोरेट जगत की कंपनियों की पूंजी को भारी नुकसान होगा। इस स्थिति में वित्तीय संस्थानो और निवेशकों की पूंजी डूबने का खतरा भी पैदा हो गया है। कर्ज अदायगी समय पर ना होने से वैश्विक अर्थ-व्यवस्था संकट के चरम पर पहुंच गई है। खाद्यान्न और अर्थ व्यवस्था के इस संकट में तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका बलवती हो रही है। भूख एक बार फिर पूंजीवाद के खिलाफ लड़ने के लिए सड़कों पर उतर रही है। राजनैतिक एवं सामाजिक व्यवस्था चरमरा गई है, जिससे विकासशील एवं विकसित देशों में अराजकता की स्थिति बन गई है। (लेखक- सनत कुमार जैन / ईएमएस)

सत्ता के लिए बेचैन होती कांग्रेस

भारतीय राजनीति कब किस समय कौन सी करवट बैठेगी, यह कोई भी विशेषज्ञ अनुमान नहीं लगा सकता। अगर इसका अनुमान लगाएगा भी तो संभव है कि उसका यह अनुमान भी पूरी तरह से गलत प्रमाणित हो जाए। हमारे देश में लम्बे समय तक सत्ता पक्ष की राजनीति करने वालों राजनेताओं के लिए यह समय वास्तव में ही अवसान काल को ही इंगित कर रहा है, अवसान इसलिए, क्योंकि उनके पास अपने स्वयं के शासनकाल की कोई उपलब्धि नहीं है। अगर उनका शासन करने का तरीका सही होता तो संभवतः उन्हें इस प्रकार की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। कांग्रेस आज भले ही अपनी गलतियों के कारण उत्पन्न हुई स्थितियों को वर्तमान सरकार पर थोपने का काम करे, परंतु इस बात को कांग्रेस भी जानती है कि वह केन्द्र सरकार का विरोध न करे तो उसके पास राजनीति करने के लिए कुछ भी नहीं है। आज देश में जो समस्या दिखाई दे रही है, कांग्रेस उसे ऐसा प्रचारित करती है, जैसे यह सारी समस्याएं मोदी के शासनकाल में ही आईं हैं।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद देश में सबसे ज्यादा शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी की इतनी दयनीय स्थिति क्यों बनी, इसका अध्ययन किया जाए तो यही सामने आता है कि इस स्थिति के लिए कांग्रेस के नेता ही जिम्मेदार हैं। कांग्रेस ने प्रारंभ से ही विविधता में एकता के सूत्र को स्थापित करने वाली परंपरा पर राजनीतिक प्रहार किया, एक प्रकार से कहा जाए तो कांग्रेस ने विविधता को छिन्न भिन्न करने की राजनीतिक चाल खेली। अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की सीमाओं को लांघते हुए कांग्रेस ने हिन्दू आस्था पर घातक प्रहार करने का षडयंत्र किया। इसमें कांग्रेस के साथ वामपंथियों ने कदम से कदम मिलाकर सहयोग किया। यही चाल वह आज भी खेलती हुई दिखाई दे रही है। समाज में विभाजन की खाई को पैदा करने वाले राजनीतिक दल भले ही इस नीति पर चलकर शासन करते रहे, लेकिन देश की जो तस्वीर बनी, वह बहुत ही कमजोर चित्र को दर्शा रही है। इसमें समुदाओं के लिए बनाए गए पर्सनल कानून आग में घी डालने जैसा ही काम कर रहे हैं। अगर यह पर्सनल कानून की अवधारणा देश में नहीं होती तो स्वाभाविक रूप से समाज के बीच दरार पैदा नहीं होती। आज देश के लिए आवश्यक यह है कि समान नागरिक संहिता लागू की जाए।

गांधी की विरासत को गले से लगाने वाली कांग्रेस आज उन्हीं के सिद्धांतों से भटकती हुई दिखाई दे रही है। गांधी जी ने कहा था कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करुंगा, जिसमें कहीं भी ऊंचनीच का भाव नहीं हो, साम्प्रदायिकता का अभाव हो, गौहत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध हो और शराब बंदी हो। लेकिन आज हम क्या देखते हैं कांग्रेस ने गांधी के सिद्धांतों को निर्मूल साबित कर दिया। आज की कांग्रेस ने समाज को वर्गों में बांटकर राजनीति की, इससे समाज में ऊंचनीच का भाव पैदा हुआ, इसी प्रकार केरल में कुछ वर्ष पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरेआम गौहत्या की, वह हमने प्रत्यक्ष रुप से देखा। हालांकि बाद में भले ही कांग्रेस ने गौहत्या करने वाले कांग्रेस नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया। सबसे बड़ी बात यही है कि कांग्रेस दिखावे की राजनीति करती है, मन में कुछ और ही चल रहा होता है। इसी प्रकार हम यह भी जानते हैं कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण की सारी सीमाओं को तोड़ते हुए यहां तक कह दिया कि देश के संसाधनों पर सबसे पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। कांग्रेस की यह राजनीति सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने वाली नहीं तो और क्या कही जाएगी? कांग्रेस के शासन काल में भगवान राम द्वारा बनाए गए रामसेतु को तोड़ने का भरसक प्रयास किया, सरकार की ओर से न्यायालय में दिए गए शपथ पत्र में कांग्रेस की ओर से कहा गया था कि भगवान राम एक काल्पनिक पात्र हैं, वे तो पैदा ही नहीं हुए थे। इस प्रकार की सोच रखने वाली कांग्रेस को भारत विरोधी कहना न्याय संगत ही कहा जाएगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तो कई बार उपहास का पात्र बनते हुए पूरे भारत वर्ष ने देखा है, लेकिन अब कांग्रेस भी अपने कार्यक्रमों के माध्यम से उपहास का पात्र बनती जा रही है। समाज की नजरों से बहुत दूर जा चुकी कांग्रेस अपने आपको जनहितैषी साबित करने के लिए दम खम से प्रयास कर रही है, लेकिन यह दिखावे की राजनीति ही उसकी पोल खोलने का काम भी कर रही है। इससे यह साबित होता है कि कांग्रेस के नेता जो दिखाते हैं, सत्यता उससे बहुत दूर है। अभी हाल ही में कांग्रेस का चिंतन शिविर आयोजित किया गया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं के भिन्न प्रकार के स्वर मुखरित हुए, जिसके कारण कुछ नेताओं को संतुष्ट करने के लिए इसी प्रकार का दूसरा लघु चिंतन शिविर फिर से आयोजित करने की स्थिति बनी।

देश से लगातार सिमटती जा रही कांग्रेस के बारे में यही कहना समुचित होगा कि आज वह छटपटा रही है। सत्ता प्राप्त करने के लिए भरसक प्रयत्न कर रही है, लेकिन उनके यह प्रयत्न सकारात्मक न होकर नकारात्मक ही कहे जाएंगे। कांग्रेस ने जितने वर्षों तक देश में शासन किया, उतने वर्षों में अगर ईमानदारी से इस वंचित समाज को आगे लाने का काम किया होता तो आज समाज में असमानता नहीं होती। इसके विपरीत वर्तमान नरेन्द्र मोदी की सरकार ने प्रारंभ से ही कहा है कि उनकी सरकार सबका साथ सबका विकास की अवधारणा पर काम करने वाली सरकार है। उनकी सरकार में किसी का भी तुष्टिकरण नहीं किया जाएगा। ऐसा हो भी रहा है, लेकिन विरोधी पक्ष के राजनीतिक दल केवल इसलिए ही मोदी सरकार का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि केन्द्र सरकार अगर सबका विकास कर देगी तो फिर राजनीति कैसे होगी? विरोधी दल के नेता केवल इतना ही सोचकर वर्तमान केन्द्र सरकार को घेर रहे हैं, जबकि यह कमजोरी पूरी तरह से पहले की सरकारों की देन है। ऐसी राजनीति करना ठीक नहीं है।

देश में कांग्रेस की नीति पर चलने के लिए अन्य राजनीतिक दल भी आतुर दिखाई दे रहे हैं। उसमें बहुजन समाज पार्टी की मायावती तो धनवान होने के बाद भी अपने आपको वंचित समाज का हितैषी मानने का दिखावा कर रही हैं। इससे यह भी साबित होता है कि मायावती समय के अनुसार ही राजनीति करती हैं, इसमें उनकी पार्टी का कोई सिद्धांत नहीं है। विरोधी दलों के लिए सबसे बड़ी परेशानी की बात यह है कि उन्हें वर्तमान सरकार में कोई खामी दिखाई नहीं दे रही, इसलिए स्वयं मुद्दे खड़ा करके केन्द्र सरकार पर आरोपित करने की राजनीति ही की जा रही है। ऐसी राजनीति देश के स्वास्थ्य के लिए कतई ठीक नहीं कही जा सकती, ऐसी राजनीति से बचना ही चाहिए। (लेखक- सुरेश हिन्दुस्थानी / ईएमएस)

आज का इतिहास 28 मई

1414 खिजर खान ने दिल्ली पर कब्जा करके सैयद वंश के शासन की शुरुआत की.

1572 महाराजा प्रताप मेवाड़ की गद्दी पर बैठे.

1883 क्रांतिकारी विनायक दामोदर सावरकर का जन्म.

1940 द्वितीय विश्वयुद्ध में बेल्जियम ने जर्मनी के आगे हथियार डाल दिए.

1947 भारतीय मानक संस्थान की स्थापना हुई.

1961 पेरिस-बुखारेस्ट ओरिएंट एक्सप्रेस ने 78 वर्ष बाद अपनी अंतिम यात्रा की.

1970 अखिल भारतीय श्रमिक संघ कांग्रेस दो भागों में बँट गई.

1971 सोवियत संघ ने मंगल ग्रह के लिए अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण किया.

1974 उत्तरी आयरलैंड की मिलीजुली सरकार का पतन.

1976 अमरीका और सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षणों के बारे में समझौता किया.

1997 माधवराव सिंधिया नारायण दत्त तिवारी, अर्जुन सिंह व आर. के. धवन, हवाला कांड से आरोप मुक्त.

1999 कारगिल में घुसे घुसपैठियों ने स्टिंगर मिसाईल से एक भारतीय हैलीकाप्टर मार गिराया. सेना ने अनेक क्षेत्रों में घुसपैठियों का सफाया किया.

2000 कानपुर के सेना आयुध केंद्र में आग लगने से लाखों का नुकसान.

विनाशकारी है, जातीय-जनगणना

खबर है कि 1 जून को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीशकुमार एक सर्वदलीय बैठक बुला रहे हैं, जो बिहार में जातीय जनगणना की रुप-रेखा तय करेगी। पहले भाजपा इसका विरोध कर रही थी, अब वह भी इस बैठक में शामिल होगी। नीतीश इस सवाल पर दो बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिल चुके हैं। जहां तक मोदी का सवाल है, वह जातीय जनगणना के पक्के विरोधी हैं। जब 2010 में जातीय जनगणना के विरुद्ध मैंने दिल्ली में जन-अभियान शुरु किया तो गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर मोदी ने मुझे कई बार फोन किया और हमारे आंदोलन को अपने खुले समर्थन का एलान किया। उस आंदोलन में कांग्रेस, भाजपा, समाजवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी के अनेक बड़े नेता भी सक्रिय भूमिका अदा करते रहे। सोनिया गांधी ने न्यूयार्क से लौटते ही पहल की और 'मेरी जाति हिंदुस्तानी' के आग्रह पर जातीय जनगणना रुकवा दी। मनमोहनसिंह की कांग्रेस सरकार ने उन आंकड़ों को प्रकाशित भी नहीं होने दिया, जो हमारे आंदोलन के पहले इकट्ठे हो गए थे। मुझे खुशी है कि नरेंद्र मोदी ने भी अपने प्रधानमंत्री काल में उसी नीति को चलाए रखा। अब नीतीश जो पहल कर रहे हैं, वह बिहार के लिए नहीं, सारे देश के लिए खतरनाक सिद्ध हो सकती है। वैसे नेताओं में नीतीश मेरे प्रिय हैं। उन्होंने रेल मंत्री रहते हुए हिंदी के लिए और बिहार में शराबबंदी के लिए मेरे कई सुझावों को तुरंत लागू किया है लेकिन यदि जातीय जनगणना उन्होंने बिहार में करवा दी तो यह बीमारी सारे भारत में फैल जाएगी। कर्नाटक और तमिलनाडु में उसकी असफल कोशिश हो चुकी है। अब छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र की सरकारें भी इसे अपने यहां करवाना चाहती हैं। यदि सभी प्रांतों में जातीय जन-गणना होने लगी तो भारत की एकता के लिए यह विनाशकारी सिद्ध होगी। जातीय अलगाव मजहबी अलगाव से भी अधिक जहरीला है। 1947 में भारत के सिर्फ दो टुकड़े हुए थे, अब भारत हजारों-लाखों टुकड़ों में बंट जाएगा। पिछली जनगणना में 46 लाख जातियों और उप-जातियों का पता चला था। एक ही प्रांत में एक ही जाति के लोग अलग-अलग जिलों में अपने आपको उच्च या नीच जाति का मानते हैं। यदि जातीय आधार पर आरक्षण और सुविधाएं बंटने लगीं तो कौन जाति के लोग अपने आपको पिछड़ा या दलित साबित नहीं करना चाहेंगे? जातीय जन-गणना सामूहिक लूट-खसोट का हथियार बन जाएगी। वैसे देश के कुछ नेता इन आंकड़ों का इस्तेमाल कुर्सी पाने और उसे बचाने के लिए करते ही है। जातीय जनगणना देश के लोकतंत्र को भेड़तंत्र में बदल डालेगी। देश की न्यायपालिका, विधानपालिका और कार्यपालिका में ही नहीं, जीवन के हर क्षेत्र में योग्यता की जगह जाति ही पैमाना बन जाएगी। गरीबी दूर करने का लक्ष्य धरा का धरा रह जाएगा। आज 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्या जाति के आधार पर मिल रहा है? नहीं, गरीबी के आधार पर मिल रहा है। जातीय जनगणना हुई तो यह आधार नष्ट हो जाएगा। देश में गरीबी बढ़ेगी। देश के 70 करोड़ से ज्यादा वंचितों का जातीय आरक्षण ने सबसे ज्यादा नुकसान किया है। सिर्फ 5-7 हजार सरकारी नौकरियों की रेवड़ियां बांटकर देश के 80 करोड़ गरीबी की रेखा के नीचे लोगों को उपेक्षा का शिकार क्यों बनाया जाए? जो लोग भारत का भला चाहते हैं, उन्हें जन्मना जातिवाद का डटकर विरोध करना चाहिए। (लेखक/ईएमएस- डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

शब्द पहेली - 7299

बाएँ से दाएँ

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना -4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -7298 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

श्रीलंका ने बांग्लादेश को दस विकेट से हराया

ढाका (ईएमएस)। श्रीलंका ने बांग्लादेश को दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन शुक्रवार को 10 विकेट से हराकर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 1-0 से जीत ली है। श्रीलंका की जीत में तेज गेंदबाज असिता फर्नांडो की अहम भूमिका रही। फर्नांडो ने केवल 51 रन देखकर छह विकेट लिए। इस तेज गेंदबाज ने मैच में 144 रन देकर कुल 10 विकेट लिए। मेजबान बांग्लादेश की ओर से सुबह के सत्र में लिटन दास और शाकिब अल हसन ने 97 रन की साझेदारी कर अपनी टीम को बचाने का प्रयास किया पर वे सफल नहीं हुए।

फर्नांडो ने अपनी गेंद पर शानदार रिटर्न कैच लेकर लिटन को पेवेलियन भेजा। लिटन ने 52 रन बनाए। वहीं शाकिब 72 गेंदों में 58 रन बनाकर जल्दी आउट हुए। बांग्लादेश ने आखिरी तीन विकेट बिना कोई रन बनाकर खो दिये। बांग्लादेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 169 रनों पर ही आउट हो गयी। पहले पारी के आधार पर मिली बढ़त को देखते हुए श्रीलंका को जीत के लिए केवल 29 रन बनाने थे जो उसने बिना कोई विकेट खोए हासिल कर लिए। आसादे फर्नांडिज 21 जबकि दिमुथ करुणारत्ने 7 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले बांग्लादेश ने पहली पारी में 365 और दूसरी पारी में 169 रन बनाये थे जबकि श्रीलंका ने पहली पारी में 506 रन बनाये थे।

वेलोसिटी महिला टी20 चैलेंज के फाइनल में पहुंची

पुणे (ईएमएस)। वेलोसिटी टीम महिला टी20 चैलेंज क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गयी है। अब खिताबी मुकाबले में वह सुपरनोवाज से खेलेगी। वेलोसिटी ने ट्रेलब्लेजर्स की ओर से मिले जीत के 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए इस प्रकार हार के बाद भी वह फाइनल में पहुंच गयी है। वहीं ट्रेलब्लेजर्स को फाइनल में पहुंचने के लिए 32 या उससे ज्यादा रन से इस मुकाबले को जीतने की जरूरत थी जबकि वेलोसिटी को फाइनल में जगह बनाने के लिए कम से कम 159 रन बनाने थे।

वेलोसिटी की ओर से किरण नवगिरे ने 34 गेंदों पर 69 रन की शानदार पारी खेली। किरण ने 25 गेंदों में ही टी20 का सबसे तेज शतक लगाया। वहीं ट्रेलब्लेजर्स की ओर से राजेश्वरी गायकवाड़ ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए। 191 के रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेलोसिटी ने 36 रनों के अंदर ही यास्तिका भाटिया का विकेट खो दिया। यास्तिका रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा भी 29 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। शेफाली को राजेश्वरी गायकवाड़ ने एलबीडब्ल्यू किया। लौरा वॉलवार्ट आउट होने वाली तीसरी खिलाड़ी रहीं। वॉलवाट ने 16 गेंदों पर 17 रन बनाए। कप्तान दीप्ति शर्मा 3 गेंदों पर 2 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज एस मेघना के सबसे ज्यादा 73 रन जबकि जेमिमा रॉड्रिग्स के 66 रनों की सहायता से ट्रेलब्लेजर्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 190 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की। ट्रेलब्लेजर्स की ओर से हीली मैथ्यूज ने 27 रन और सोफिया डंकले ने 19 रन बनाये। ट्रेलब्लेजर्स का पहला विकेट 13 रन के स्कोर पर कप्तान स्मृति मंधाना 01 का गिरा। इसके बाद एस मेघना ने आक्रामक बल्लेबाजी की और जेमिमा के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी बनाकर बड़ा स्कोर बनाया।

बोपन्ना और मिडलकूप फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में पहुंचे

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार नीदरलैंड के माटवे मिडलकूप जीत के साथ ही फ्रेंच ओपन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। बोपन्ना और मिडलकूप ने कजाकस्तान के आंद्रे गोलुबेव और फ्रांस के फैबरिस मार्टिन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 के हराया। इससे पहले बोपन्ना और मिडलकूप ने ग्येमाडर् वेयनबर्ग और लुका वैन स्चे को पहले दौर में तकरीबन एक घंटे तक चले मुकाबले में 6-4, 6-1 के हराया था।

माराडोना के सम्मान में दिखेगा उड़ता हुआ संग्रहालय

ब्यूनर्स आयर्स (ईएमएस)। अर्जेन्टीना के महान फुटबॉलर और डिएगो माराडोना के सम्मान में अब आसमान में एक उड़ता हुआ संग्रहालय दिखेगा। यह संग्रहायलय 'टेंगो डी10एस' विमान में बनाया गया है। यह देश में अलग-अलग जगहों पर जाएगा और माराडोना के प्रशंसकों को खेल देखने मैदान पर आने के लिए प्रेरित और उत्साहित करेगा।

इस विमान के बाहरी हिस्से में माराडोना की तस्वीरें लगाई गई। इसमें साल 1986 की वह तस्वीर भी है जिसमें माराडोना अर्जेन्टीना की जर्सी पहने हुए और विश्व कप ट्रॉफी को लिए हुए हैं। यह विमान बार्सीलोना और नेपल्स भी जाएगा जहां माराडोना की कप्तानी में नेपोली ने 1987 और 1990 में इटली के के दोनो ही लीग खिताब जीते थे।

यह विमान इसके बाद कतर जाएगा जहां विश्व कप होना है। इसमें 1986 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ माराडोना के दो गोल की तस्वीर भी है जिसमें विवादास्पद 'हैंड आफ गॉड' गोल भी शामिल है। विमान के अंदर माराडोना से जुड़ी चीजें रखी गई हैं। गौरतलब है कि माराडोना का 2020 में 60 साल की उम्र में मस्तिष्क की सर्जरी के बाद दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

एशिया कप : भारतीय हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 16-0 से हराकर सुपर-2 में जगह बनायी

मैन ऑफ द मैच : पवन राजभर

जकार्ता (ईएमएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां खेले जा रहे एशिया कप हॉकी के अपने आखिरी पूल ए मुकाबले में इंडोनेशिया को 16-0 से हराकर सुपर-2 में प्रवेश किया है। वहीं इसी के साथ ही पाकिस्तान की टीम बाहर हो गयी। भारत ओर पाक दोनो के ही समान अंक थे पर भारतीय टीम ने अंतिम मैच में अधिक गोल किये थे इस कारण बेहतर गोल अंतर (1) के कारण उसे नॉक आउट में प्रवेश मिला। भारत के साथ एशिया कप सुपर-4 में जापान, साऊथ कोरिया और मलेशिया की टीम भी पहुंच गई है। वहीं इस हार के साथ ही पाक टीम विश्व कप 2023 से भी बाहर हो गयी है।

भारतीय टीम ने एशिया कप में अपना पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ खेला था जो बराबरी पर रहा था। इस मुकाबले में पाक टीम ने अंतिम मिनट में गोल कर मुकाबला ड्रॉ पर रोक दिया था। इसके बाद दूसरे मैच में भारत को जापान के हाथों 5-2 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं इसके बाद जापान ने पाक को 3-2 से हरा दिया , ऐसे में भारतीय टीम ने अंतिम लीग मुकाबले में बड़े अंतर के साथ जीत दर्ज कर नाकआउट में जगह बनायी। पूल-ए में भारत और पाकिस्तान दोनों के चार-चार अंक रहे और दोनों जापान से पीछे रहे।

भारत की ओर से दिग्गज दिपसान टिर्की ने सबसे ज्यादा पांच गोल दागे । दिपसान ने (42', 47', 59', 59') मिनट में ये गोल किय जबकि युवा सुदेव बेलिमागा ने (45', 46', 55') मिनट में तीन गोल कर जीत में अहम भूमिका निभाई। इन दोनों के अलावा अनुभवी एसवी सुनील ने(19', 24'), पवन राजभर ने 10', 11 और कार्ति सेलवम ने (40', 56') मिनट में दो-दो गोल किए जबकि उत्तम सिंह ने (14'), और नीलम संदीप सेस ने 20 वें मिनट में एक-एक गोल दागा। दौरे पर 'बी' टीम के साथ पहुंचे भारत के लिए नॉकआउट राउंड में पहुंचने के लिए जरुरी था कि वह इंडोनेशिया को कम से कम 15 गोल के अंतर से हराए। युवा भारतीय टीम ने शुरुआत से ही विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। परिणाम हुआ कि हाफ टाइम तक भारतीय टीम 6-0 से आगे थी। गत चैंपियन टीम ने दूसरे हाफ में बढ़े मनोबल के साथ शुरुआत की और तीसरे क्वॉर्टर में चार और गोल कर इसे 10-0 कर दिया। चौथे क्वॉर्टर में भारतीय खिलाड़ियों की तेजी देखते ही बनी।

उमरान फिट रहे तो लंबे समय तक खेलेंगे : गांगुली

मुम्बई (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए तेज गेंदबाजी उमरान मलिक ने अपनी तेज गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज के लिए भी टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी उमरान मलिक की तारीफ करते हुए कहा है कि है

इस खिलाड़ी का भविष्य उसके हाथ में है। अगर वह फिट रहता है और इसी गति से गेंदबाजी करता है तो मुझे भरोसा है कि वह लंबे समय तक खेलेगा। गांगुली ने उमरान के अलावा मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक सनराइजर्स के बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह सहित अन्य युवा खिलाड़ियों की भी जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि आईपीएल से युवा प्रतिभाओं को एक मंच मिला है। जिससे कई खिलाड़ी सामने आ रहे हैं।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

सत्यमेव जयते
ગુજરાત સરકાર

ભારતના યશસ્વી વડાપ્રધાન
શ્રી નરેન્દ્રભાઈ મોદી
ની પ્રેરક ઉપસ્થિતિમાં
આવો, સહુ સાથે મળી, સહકારી ચળવળને વેગવંતી બનાવીએ

શ્રી નરેન્દ્રભાઇ મોદી
માન. વડાપ્રધાન

સહકારથી સમૃદ્ધિ

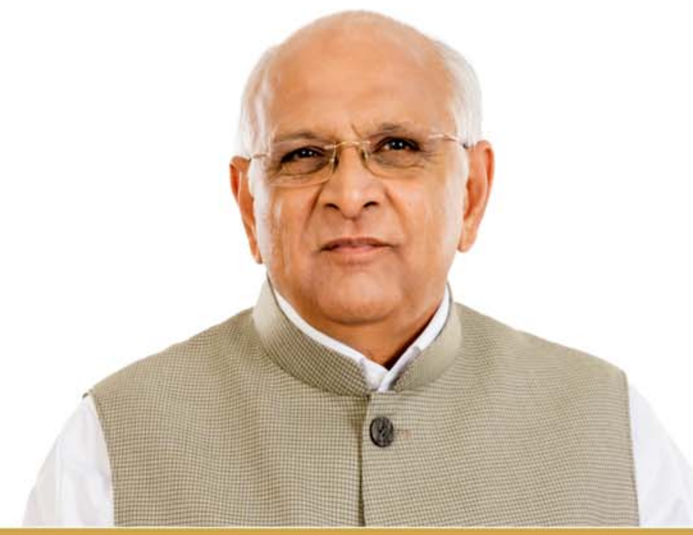

શ્રી ભૂપેન્દ્રભાઇ પટેલ
માન. મુખ્યમંત્રી

તારીખ: ૨૮-૦૫-૨૦૨૨ • સમય: બપોરે ૨:૦૦ વાગે
સ્થળ: મહાત્મા મંદિર, ગાંધીનગર

સહકારી ક્ષેત્રનો વ્યાપ
- ૮૪૦૦૦ કરતા વધુ સહકારી મંડળીઓ
- ૨.૩૧ કરોડ સભાસદો, દર ત્રીજો ગુજરાતી સહકારી મંડળીનો સભાસદ

પાક/કે.સી.સી. ધિરાણ પર વ્યાજ સહાય
- ખેડૂતોને પાક ધિરાણ પર આપવામાં આવતી વ્યાજ સહાય હવે રવિ સિઝન માટે પણ આપવામાં આવશે.
- પશુપાલકો અને માછીમારોને પણ રાજ્ય સરકાર દ્વારા કે.સી.સી. ધિરાણ પર ૪ ટકા વ્યાજ સહાય
- ખેડૂતો, પશુપાલકો અને માછીમારોને વ્યાજ સહાય માટે રૂ.૧૬૨૫ કરોડની બજેટ જોગવાઈ

આત્મનિર્ભર ગુજરાત સહાય યોજના
- ૨,૦૬,૨૯૮ લાભાર્થીઓને રૂ.૨૫૦૭.૦૩ કરોડની લોન
- રૂ.૨૦૮ કરોડથી વધુની વ્યાજ સહાય અને ઈન્સેન્ટીવ

મોડલ કોઓપરેટીવ વિલેજ યોજના
- અમદાવાદ જિલ્લાના આદરોડા અને રેથલ, ગાંધીનગર જિલ્લાના ઈસનપુર મોટા અને આદરજ મોટી, રાજકોટ જિલ્લાના કોલીથડ તથા પંચમહાલ જિલ્લાના પીપેરો ગામની મોડલ કો-ઓપરેટીવ વિલેજ તરીકે પસંદગી
- મોડલ કો-ઓપરેટીવ વિલેજમાં તમામ સાધન-સુવિધા અને સેવાઓ સહકારી સંસ્થાઓ મારફત પુરી પાડવામાં આવશે.

કાર્યક્રમ સાથે લાઇવ જોડાવા માટે જુઓ:

CMOGuj | CMOGuj | CMOGujarat

કૃષિ, ખેડૂત કલ્યાણ અને સહકાર વિભાગ, ગુજરાત રાજ્ય

मुख्यमंत्री ने गांधीनगर में आयोजित तीन दिवसीय 'राष्ट्रीय आम महोत्सव 2022' का उद्घाटन किया

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव (नेशनल मैंगो फेस्टिवल) 2022 का शुक्रवार को उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने सेक्टर 11 स्थित रामकथा मैदान में आयोजित इस तीन दिवसीय आम महोत्सव में सहभागी हो रहे अलग-अलग राज्यों के आम उत्पादकों एवं विक्रेताओं को शुभकामनाएं दीं। यह आम महोत्सव 29 मई तक चलेगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आम उत्पादकों तथा विक्रेताओं के स्टॉल पर जाकर आम की प्रजातियों व बुवाई से लेकर उत्पादन एवं विक्रय तक की जानकारी प्राप्त करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। कार्यक्रम में उपस्थित श्रम एवं रोज़गार राज्य मंत्री ब्रिजेश मेरजा ने कहा कि राज्य सरकार एग्रीकल्चर टूरिज्म को विकसित करने के लिए कटिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान पर्यटन क्षेत्र में अनेक नूतन पहलें की हैं। इन्हीं में से एक है एग्रीकल्चर टूरिज्म। एग्रीकल्चर टूरिज्म को वेग देने तथा समग्र देश में विशिष्ट पहचान रखने वाले आम की प्रजातियों को किसान सीधे उपभोक्ताओं को बेच सकें, इस उद्देश्य से इस नेशनल मैंगो फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। इस मैंगो फेस्टिवल में भारत के विभिन्न राज्यों में उत्पादित आमों की बिक्री-सह-प्रदर्शनी आयोजित की गई है। आम महोत्सव के दौरान देश के अलग-अलग राज्यों के आम उत्पादक एक ही स्थान पर गुणवत्तायुक्त आम का उत्पादन बढ़ाने से जुड़े ज्ञान का आदान-प्रदान करेंगे। गुजरात के कच्छ एवं गीर क़स्बों सहित अनेक प्रदेशों में आम उत्पादन करने वाले किसानों, बाड़ी मालिकों तथा आम के थोकबंद व्यापारियों को अपने क्षेत्र के विकास के लिए इस महोत्सव के रूप में एक प्लेटफ़ॉर्म मिलेगा।

राष्ट्रीय आम महोत्सव 2022 में 50 से अधिक स्टॉल्स पर उत्तर प्रदेश के अंबिका, अरुणिका, अरुणिमा, प्रतिभा, पीतांबरा, लालिमा, श्रेष्ठ, सूर्या, हुसनेरा, नाज़ुक बादन, गुलाब खस, ऑस्टीन, दशहरी, चौसा, लंगड़ा, अमीन ख़ुर्द, ग्लास आम्रपाली, मल्लिका, कृष्णा भोग, राम भोग, रामकेला, शहद कुप्पी, जरदालू, लखनवी सफ़ेदा, जौहरी, सफ़ेदा, बेंगलौरा, अमीन दूधिया, बादामी गोला, बुधिया, युक्ति फ़ाज़िल, केसर, लंबूरी, नारद, सुरखा परा, सुरखा, दशहरी, बॉम्बे ग्रीन, यथार्थ, महाराष्ट्र के रत्नागिरी, पश्चिम बंगाल के हिमसागर, आम्रपाली, बिहार के मैदा, जरदालू, राजस्थान के दशहरी, मल्लिका, लंगड़ा, केसर, कर्नाटक के कर्नाटका अल्फ़ांज़ो अथवा बादामी मैंगो, केरल के तोता, सुंदरी, आंध्र प्रदेश के बादाम, दिल्ली के अल्फ़ांसो, तमिलनाडु के तोता व सुंदरी, गुजरात के केसर, हाफुस आमों तथा आम के आचार, छूंदा, मैंगो पल्प, शेक जामदार आदि की कई वेराइटियों को प्रदर्शित किया गया है। इस महोत्सव के दौरान विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं बच्चों के लिए विशेष एक्टिविटीज़ का भी आयोजन किया गया है।

आम महोत्सव के उद्घाटन समारोह में गांधीनगर के विधायक शंभूजी ठाकोर, गांधीनगर के महापौर हितेश मकवाणा, राज्य के पर्यटन सचिव हारित शुक्ला, पर्यटन आयुक्त आलोक कुमार पाण्डे, ज़िला कलेक्टर कुलदीप आर्य सहित देश भर के आम्रप्रेमी उपस्थित रहे।

लगातार दूसरे दिन हरामीनाला क्षेत्र से पाकिस्तानी मछुआरे समेत बोट पकड़ी गई

कच्छ (ईएमएस) पश्चिम कच्छ के हरामीनाला क्षेत्र से आज फिर एक बार पांच पाकिस्तानी बोट और 1 मछुआरा पकड़ा गया है। पाकिस्तानी मछुआरे को पकड़ने के लिए बीएसएफ के जवानों को तीन राउंड फायरिंग भी करनी पड़ी। बता दें कि शनिवार को भी हरामीनाला क्षेत्र से 2 मछुआरे और 4 पाकिस्तानी बोटें पकड़ी गई है। आज लगातार दूसरे दिन पाकिस्तानी बोट और एक मछुआरा पकड़ा गया है। हांलाकि बरामद पाकिस्तानी बोट से मछली, मछली पकड़ने की जाली और अन्य साधनों के अलावा कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। गुरुवार को बीएसएफ की टीम ने हरामीनाला दो पाकिस्तानी मछुआरों समेत 4 बोटों को पकड़ा था। जिसके बाद क्षेत्र में बीएसएफ ने सर्च ऑपरेशन चलाया था, हांलाकि तब कुछ हाथ नहीं लगा था। आज सुबह फिर इस क्षेत्र में बीएसएफ ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया और 5 जितनी बोट बरामद की। इस दौरान बीएसएफ के जवानों को देख पाकिस्तानी घुसपैठिए भागने लगे। जिसे रोकने के लिए बीएसएफ ने तीन राउंड फायरिंग की। इस घटना के बाद बीएसएफ के जवान हरामीनाला क्षेत्र में लगातार सर्च कर रहे हैं।

राजकोट मंडल से होकर जानेवाली 15 ट्रेनों में अब जनरल टिकट भी मिलेगी

राजकोट (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जून 2022 से राजकोट मंडल से होकर जानेवाली 15 ट्रेनों में जनरल कोच में यात्रा करने के लिए अनारक्षित टिकट जारी करने की अनुमति प्रदान की गई है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम अभिनव जेफ के अनुसार निम्नलिखित ट्रेनों में आरक्षित टिकटों के साथ अब अनारक्षित जनरल टिकट भी जारी करने की अनुमति प्रदान की गई हैं :-

1. ट्रेन नं 19015 मुंबई सेंट्रल-पोरबंदर एक्सप्रेस में 01 जून से
2. ट्रेन नं 19016 पोरबंदर-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस में 01 जून से
3. ट्रेन नं 19251 सोमनाथ-ओखा एक्सप्रेस में 01 जून से
4. ट्रेन नं 19252 ओखा-सोमनाथ एक्सप्रेस में 01 जून से
5. ट्रेन नं 22957 अहमदाबाद-वेरावल सुपरफास्ट में 01 जून से
6. ट्रेन नं 22958 वेरावल-अहमदाबाद सुपरफास्ट में 01 जून से
7. ट्रेन नं 19319 वेरावल-इंदौर महामना एक्सप्रेस में 01 जून से
8. ट्रेन नं 19320 इंदौर-वेरावल महामना एक्सप्रेस में 07 जून से
9. ट्रेन नं 11463 सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस में 03 जून से
10. ट्रेन नं 11465 सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस में 04 जून से
11. ट्रेन नं 19119 अहमदाबाद-सोमनाथ एक्सप्रेस में 06 जून से
12. ट्रेन नं 19120 सोमनाथ-अहमदाबाद एक्सप्रेस में 06 जून से
13. ट्रेन नं 19209 भावनगर-ओखा एक्सप्रेस में 01 जून से
14. ट्रेन नं 19210 ओखा-भावनगर एक्सप्रेस में 01 जून से
15. ट्रेन नं 19573 ओखा-जयपुर एक्सप्रेस में 06 जून से

अहमदाबाद मंडल की लम्बी दूरी की 21 ट्रेनों में जनरल कोच के लिए जून माह से अनारक्षित टिकट भी जारी होंगे

यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे ने अहमदाबाद मंडल की लम्बी दूरी की 21 ट्रेनों में जनरल कोच के लिए जून माह से अनारक्षित टिकट जारी करने का निर्देश दिया है। मण्डल रेल प्रवक्ता, अहमदाबाद के अनुसार इन ट्रेनों में आरक्षित टिकट के साथ-साथ अनारक्षित टिकट की सुविधा भी दी जाएगी। अनारक्षित टिकट जारी की जाने वाली ट्रेनों एवं कोचों का विस्तृत विवरण इस प्रकार है-

1. ट्रेन नंबर 12933 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद सुपरफास्ट में **D14 & DL1** कोच के लिए 01.06.2022 से
2. ट्रेन नंबर 12934 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट में **D14 & DL1** कोच के लिए 01.06.2022 से
3. ट्रेन नंबर 22953 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद सुपरफास्ट में **D9, D10, D11, D12 & D13** कोच के लिए 01.06.2022 से
4. ट्रेन नंबर 22954 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट में **D9, D10, D11, D12 & D13** कोच के लिए 01.06.2022 से
5. ट्रेन नंबर 22927 बान्द्रा-अहमदाबाद सुपरफास्ट में **D4 & DL1** कोच के लिए 04.06.2022 से
6. ट्रेन नंबर 22928 अहमदाबाद-बान्द्रा सुपरफास्ट में **D4 & DL1** कोच के लिए 04.06.2022 से
7. ट्रेन नंबर 22951 बांद्रा-गांधीधाम सुपरफास्ट में **D3** कोच के लिए 03.06.2022 से
8. ट्रेन नंबर 22952 गांधीधाम-बांद्रा सुपरफास्ट में **D2** कोच के लिए 02.06.2022 से
9. ट्रेन नंबर 20907 दादर-भुज सुपरफास्ट में **D4** कोच के लिए 01.06.2022 से
10. ट्रेन नंबर 20908 भुज-दादर सुपरफास्ट में **D4** कोच के लिए 01.06.2022 से
11. ट्रेन नंबर 19033 वलसाड-अहमदाबाद मेल एक्सप्रेस में **D9, D10, D11, D12 & D13** कोच के लिए 01.06.2022 से
12. ट्रेन नंबर 19034 अहमदाबाद-वलसाड मेल एक्सप्रेस में **D9, D10, D11, D12 & D13** कोच के लिए 01.06.2022 से
13. ट्रेन नंबर 22957 अहमदाबाद-वेरावल सुपरफास्ट में **D3, DL1 & DL2** के लिए 01.06.2022 से
14. ट्रेन नंबर 22958 वेरावल-अहमदाबाद सुपरफास्ट में **D3, DL1 & DL2** के लिए 01.06.2022 से
15. ट्रेन नंबर 19309 गांधीनगर-इंदौर मेल एक्सप्रेस में **D4, DL1 & DL2** के लिए 01.06.2022 से
16. ट्रेन नंबर 19310 इंदौर-गांधीनगर मेल एक्सप्रेस में **D4, DL1 & DL2** के लिए 01.06.2022 से
17. ट्रेन नंबर 22484 गांधीधाम-जोधपुर सुपरफास्ट में **D4, DL1 & DL2** के लिए 02.06.2022 से
18. ट्रेन नंबर 14820 साबरमती-भगत की कोठी मेल एक्सप्रेस में D4 के लिए 06.06.2022 से
19. ट्रेन नंबर 19119 अहमदाबाद-सोमनाथ मेल एक्सप्रेस में **D3 & D4** के लिए 06.06.2022 से
20. ट्रेन नंबर 19120 सोमनाथ-अहमदाबाद मेल एक्सप्रेस में **D3 & D4** के लिए 06.06.2022 से
21. ट्रेन नंबर 09451 गांधीधाम-भागलपुर मेल एक्सप्रेस में 08.07.2022 से

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कांग्रेस के शुभकामना बैनर में स्टेडियम का नाम बदलने से विवाद, तत्काल हटाए गए

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर स्थित दुनिया के सबसे बड़े नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में शुक्रवार को आईपीएल का सेमी फाइनल और रविवार को फाइनल मैच खेला जाना है। रविवार को होनेवाले फाइनल मैच में गुजरात टाइटन्स पहले ही पहुंच चुकी है और उसे जीत की शुभकामनाएं देने के लिए गुजरात प्रदेश कांग्रेस की ओर स्टेडियम रोड पर बैनर लगाए गए थे। बैनर में स्टेडियम का बदले जाने से विवाद पैदा होते ही हरकत में आए महानगर पालिका प्रशासन तत्काल प्रभाव से सभी बैनरों को हटा दिया है। दरअसल अहमदाबाद के मोटेरा में बने स्टेडियम का नाम पहले सरदार पटेल स्टेडियम था, लेकिन पिछले साल इसका नाम बदलकर नरेन्द्र मोदी स्टेडियम कर दिया गया था। इसी स्टेडियम में आज सेमी फाइनल और रविवार को फाइनल मैच होनी है। गुजरात टाइटन्स पहले फाइनल में पहुंच चुकी है। गुजरात टाइटन्स को जीत की शुभकामनाएं देने के लिए गुजरात प्रदेश कांग्रेस की ओर से स्टेडियम के रास्ते पर कई बैनर लगाए गए थे। बैनर में गुजरात कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर, विधानसभा में विपक्ष के नेता सुखराम राठवा और पार्टी के प्रदेश प्रभारी रघु शर्मा समेत कांग्रेस नेताओं की तस्वीर थी। बैनर में गुजरात टाइटन्स टीम के कप्तान हार्दिक पंडया की तस्वीर के साथ लिखा था ''मोटेरा के सरदार पटेल स्टेडियम में जीत आपके कदम चूमे ऐसी शुभकामना।'' स्टेडियम का नाम नरेन्द्र मोदी होने के बावजूद सरदार पटेल के नाम के उल्लेख से विवाद बढ़ता देख तुरंत अहमदाबाद महानगर पालिका प्रशासन हरकत में आया और स्टेडियम रोड पर लगाए गए ऐसे सभी बैनरों को हटा दिया। बता दें कि 29 मई को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2022 की फाइनल मैच खेली जाएगी। गुजरात टाइटन्स फाइनल में पहुंच चुकी है और उसका मुकाबला शुक्रवार को होनेवाले सेमी फाइनल के मुकाबले की विजेता टीम से होगा। आईपीएल की फाइनल मैच में केन्द्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह के अलावा बोलीवुड के कई मशहूर अभिनेता भी मौजूद रहेंगे। जिसे देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ट्रैफिक में कोई अवरोध ना हो, इसके लिए एक रोड बंद कर डायवर्जन किया गया है। खिलाडियों के आवागमन के लिए अलग रोड की व्यवस्था की गई है।

लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट तथा ग्रे-वॉटर ट्रीटमेंट का उत्तम उदाहरण है बनासकांठा के इस गाँव का मॉडल

अहमदाबाद (ईएमएस) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत गुजरात में बनासकांठा जिले की पालनपुर तहसील के वेडंचा गांव ने लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट (तरल कूड़ा प्रबंधन) तथा ग्रे वॉटर मैनेजमेंट (धूसर जल प्रबंधन) में श्रेष्ठ कार्य करते हुए राज्य के अन्य गांवों के समक्ष उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया है। 4500 की जनसंख्या वाला वेडंचा गांव आज अन्य गाँवों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना है। वेडंचा गांव के 30 प्रतिशत परिवारों द्वारा दैनिक जीवन में उपयोग में लिया जाने वाला 2 लाख लीटर पानी गांव के तालाब में व्यर्थ बह जाता था, जिससे बीमारियाँ-महामारी फैल जाती थीं। इस पानी की निकासी की अत्यंत आवश्यकता थी। फलस्वरूप गांव के नागरिकों की जागृति, उनके सकारात्मक दृष्टिकोण एवं ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीवीडीए) की सहायता से ग्रे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट (धूसर जल शुद्धीकरण संयंत्र) प्रारंभ किया गया है। इस प्लांट के माध्यम से ग्रे वॉटर को ट्रीट कर पानी को खेती के लिए उपयुक्त बनाया जा रहा है तथा भूमिगत जल रिचार्ज किया जा रहा है, जिसके कारण किसानों को सिंचाई के लिए भी पानी प्राप्त हो रहा है। पांच लाख रुपए की लागत से स्थापित यह प्लांट स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की मार्गदर्शिका के अनुसार डीवॉटर्स (विजलक) तथा वेस्ट स्टेबिलाइजेशन पॉण्ड प्लांट (अपशिष्ट स्थिरीकरण तालाब संयंत्र) का मिश्र स्वरूप है। प्लांट में सरल एवं सस्ती टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। इस प्लांट की सहायता से सेन्द्रिय उर्वरक (ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर) बनाया जाता है। प्लांट से 25 दिनों में अनुमानित लगभग 5.5 से 6 टन सेन्द्रिय उर्वरक का उत्पादन होता है। गांव की सहकारी मंडली द्वारा इस ऑर्गेनिक खाद को बैग में पैक कर बेचा जाता है। प्रत्येक बैग में लगभग 30 किलोग्राम खाद भर कर प्रतिबैग 200 रुपए मूल्य पर बेची जाती है। सेन्द्रिय उर्वरक के विक्रय से ग्राम पंचायत को प्रतिमाह लगभग 40,000 से 45,000 रुपए आय होती है, जिसके चलते वेडंचा ग्राम पंचायत आत्मनिर्भर बनी है। प्लांट शुरू होने के कारण लोगों को रोजगार भी प्राप्त हुआ है। तदुपरांत गांव के लगभग 18 परिवारों ने रसोई घर एवं बाथरूम के गंदे पानी की निकासी करने के लिए अपने शॉफपिट का निर्माण किया है। गाँव में विभिन्न स्थानों पर शॉफपिट बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए 5000 तक की जनसंख्या वाले गांव के लिए ग्राम पंचायत को प्रतिव्यक्ति 280 रुपए तथा 5000 से अधिक जनसंख्या वाले गांव को प्रतिव्यक्ति 660 रुपए का अनुदान (ग्रांट) सरकार द्वारा दिया जाता है। बनासकांठा जिला ग्रामीण विकास एजेंसी (डीवीडीए) के निदेशक आर. आई. शेख ने कहा, ''वेडंचा गांव में निर्मित ग्रे वॉटर ट्रीटमेंट यूनिट की विशेषता यह है कि यह मॉडल सरल टेक्नोलॉजी पर आधारित है, जिसका संस्थापन तथा रखरखाव सरलता से किया जा सकता है।'' वेडंचा गांव के सरपंच बेचरभाई भाटिया ने कहा, ''प्लांट स्थापित होने से हमारा गाँव स्वच्छ एवं सुंदर बना है और मासिक आय प्राप्त होने से गांव आत्मनिर्भर भी बना है।''

कैनेडियन वुड इंडिया वुड 2022 में विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों में बीसी कनाडा के निरंतर प्रबंधित जंगलों की अपनी कानूनसम्मत रूप से कटाई की गई प्रामाणिक लकड़ी की प्रजातियों का प्रदर्शन करेगा

भारत, 27 मई 2022: ब्रिटिश कोलंबिया (बी.सी.) की प्रांतीय सरकार की क्राउन एजेंसी, एफआईआई, जिसे इसके लोगो कनाडाई वुड के नाम से जाना जाता है, इंडिया वुड 2022 में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। इंडिया वुड, लकड़ी और लकड़ी के उद्योग का अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला है जिसमें रि-मैन उत्पाद, विनिर्माण तकनीक, उपकरण और मशीनरी, कोटिंग्स और एढेसिव और अन्य संबंधित लकड़ी उद्योग उत्पाद शामिल होते हैं। मेले का आयोजन बीआईईसी होबली, बेंगलुरु-562123 में किया जा रहा है। प्रदर्शित की जाने वाली 5 विशिष्ट कैनेडियन वुड किस्मों 1) वेस्टर्न हेमलॉक, 2) डगलस फर, 3) पीला देवदार, 4) पश्चिमी लाल देवदार और 5) एसपीएफ़ (स्प्रूस - पाइन - फर) को विभिन्न प्रकार के ट्रेंडी उत्पादों के रूप 2-6 जून, 2022 तक होने वाले आयोजन में उनके बूथ पर रचनात्मक रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।

इंडिया वुड लकड़ी के उत्पादों, लकड़ी के काम करने और संबद्ध उत्पादों के उद्योग के लिए अपने अद्वितीय उत्पादों का प्रदर्शन करने का शानदार अवसर है। इस प्रकार 12 से अधिक देशों के 950 से अधिक प्रदर्शकों के भाग लेने की उम्मीद है, जो आर्किटेक्ट/डिजाइनरों, डेवलपर्स/बिल्डरों, टिम्बर व्यापारियों, निर्माताओं/ठेकेदारों आदि में से अपने लक्षित ग्राहकों के लिए उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे।

कोटा मंडल में सबवे निर्माण के लिए ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम मध्य रेलवे को कोटा-सवाई माधोपुर खंड में कापरेन-घटक वराणा स्टेशनों के बीच समपार संख्या 131 पर सीमित ऊँचाई वाले सबवे के निर्माण के लिए ऊपरी उपस्कर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की चार ट्रेनों के समय में बदलाव किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैं :-

1. 28 मई को छूटने वाली ट्रेन संख्या 19037 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी अवध एक्सप्रेस को बांद्रा टर्मिनस से 02.30 बजे रिशेड्यूल्ड जाएगा।
2. 29 मई को छूटने वाली ट्रेन संख्या 12465 इंदौर-जोधपुर रणथम्भौर एक्सप्रेस को इंदौर से 03.30 बजे रिशेड्यूल्ड जाएगा।
3. 29 मई को छूटने वाली ट्रेन संख्या 12466 जोधपुर-इंदौर रणथम्भौर एक्सप्रेस को जोधपुर से 03.30 बजे रिशेड्यूल्ड जाएगा।
4. 29 मई को छूटने वाली ट्रेन संख्या 12956 जयपुर-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस को जयपुर से 01.00 बजे रिशेड्यूल्ड जाएगा।

भारत कृषि क्षेत्र में ड्रोन्स के इस्तेमाल की ओर अग्रसर

नई दिल्ली, 27 मई, 2022: भारत में एकमात्र डीजीसीए अनुमोदित ड्रोन निर्माता कंपनी, आईओटेकवर्ल्ड एविगेशन ने कषि के लिए प्रति माह 1000 ड्रोन्स की निर्माण क्षमता के साथ, नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे ड्रोन महोत्सव–2022 में भारत की पहली कशशि ड्रोन सेवा एप्लीकेशन, "एग्रीनेट" प्रस्तुत की है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने किया।

ड्रोन सेवा एप्लीकेशन, एग्रीनेट एक ऐसा प्लेटफॉर्म प्रदान करती है, जिसके माध्यम से किसान एवं ड्रोन सेवा प्रदाताओं के बीच संपर्क स्थापित होता है। एग्रीनेट द्वारा किसान कशशि क्षेत्र में उपयोग, जैसे छिड़काव आदि करने के लिए ड्रोन किराए पर ले सकते हैं, ड्रोन पायलट ट्रेनिंग के लिए पंजीकरण करा सकते हैं, तथा ड्रोन संबंधी जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। दूसरी तरफ, एग्रीनेट द्वारा ड्रोन मालिकों को उद्यमी बनने का अवसर भी मिलता है। वो सेवाएं देने के लिए सेवा प्रदाता के रूप में यहां पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। एग्रीनेट द्वारा दी जाने वाले सेवाओं की गुणवत्ता एक समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से आईओटेक द्वारा सुनिष्चित होती है।

पीएम मोदी आज गुजरात दौरे पर, राजकोट के आटकोट में अस्पताल का करेंगे लोकार्पण

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी राजकोट के आटकोट में सुबह ग्लॉबल पाटीदार मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल का लोकार्पण और शाम को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में सहकार सम्मेलन को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए राजकोट और गांधीनगर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। राजकोट-भावनगर हाईवे पर शनिवार की सुबह 6 बजे से दोपहर 3 बजे तक ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। रोडवेज की बसों को छोड़ भारी एवं कॉमर्शियल वाहन, निजी ट्रावेल्स के लिए डायवर्ट रूट के लिए जिला कलेक्टर ने अधिसूचना जारी कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार की सुबह 9.30 बजे राजकोट एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से आटकोट जाकर मल्टीस्पेशियालिटी होस्पिटल का लोकार्पण और उसके बाद जनसभा को संबोधित करेंगे। होस्पिटल के लोकार्पण के कार्यक्रम में सौराष्ट्रभर से करीब 3 लाख लोगों के उपस्थित रहने की संभावना है। इसके लिए 500 बीघा जमीन में पार्किंग की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के लिए 600×1200 फूट का विशाल डोम बनाया गया है। आम लोगों के बैठने के लिए अलग अलग 4 डोम बनाए गए है। इसके अलावा 4 हेलिपेड भी तैयार किए गए हैं। पार्किंग और यातायात प्रबंधन के लिए 2000 जितने स्वयं सेवक तैनात रहेंगे। राजकोट के आटकोट होकर पीएम मोदी दोपहर 12.30 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचेंगे। जहां से पीएम मोदी सीधे राजभवन जाएंगे और शाम 4 बजे तक वहीं विश्राम करेंगे। शाम 4.30 बजे गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित सहकार सम्मेलन को पीएम मोदी संबोधित करेंगे। सहकार सम्मेलन के पश्चात पीएम मोदी अहमदाबाद से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

बारातियों से भरी बस पेड़ से टकराई, 22 लोग घायल, दूल्हे की बहन और भाभी गंभीर

मेहसाणा (ईएमएस) मेहसाणा-अहमदाबाद हाईवे पर भासरिया पाटिया के निकट शुक्रवार को बारातियों से भरी एक लक्जरी बस पेड से टकरा गई। इस हादसे में 22 बाराती घायल हो गए। जिसमें दूल्हे की बहन और भाभी की हालत गंभीर बताई गई है। मेहसाणा की लाघणज पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा के डीसा से बारातियों को लेकर लक्जरी बस आज तड़के मेहसाणा से गुजर रही थी। मेहसाणा-अहमदाबाद हाईवे पर भासरिया पाटिया के निकट तेज रफ्तार लक्जरी बस के ड्राइवर ने स्टयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और बस रोड डिवाडर पर चढ़कर पेड से टकराई और पलटी खा गई। बस में सवार 50 में से 22 जितने बाराती घायल हो गए। इस हादसे में दूल्हे के माता-पिता, भाई-बहन और भाभी भी घायल हुए हैं। जिसमें दूल्हे की बहन और भाभी की हालत गंभीर बताई गई है। सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भेजा गया है।

33 लाख की लूट के मामले में सुपारी देने के आरोप में सोनू गढ़वाल समेत दो अन्य को हरियाणा से गिरफ्तार

गिरफ्तार दोनो आरोपीओं का युपी और हरियाणा में अपराधिक भुतकाल

सूरत : डिंडोली लूट मामले में 21 मई को पीएम आंगडिया के एक व्यक्ति को रिवोल्वर दिखाकर 33 लाख रुपये और नकदी लूट ली गई। लूट में शामिल कुख्यात हरियाणा हिसार गिरोह के दो सदस्यों के साथ-साथ लुटेरों को टीप देने वाले सूरत के एक व्यक्ति सहित कुल तीन को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही एक इनोवा कार और दो मोबाइल फोन रुपये की कीमत के हैं।

21 मई को डिंडोली ओम नगर क्षेत्र में पीएम आंगडीया फर्म का प्रबंध अपनी बाइक पर करीब 33 लाख रुपये नकद लेकर जा रहा था, उसे रास्ते में रोखकर दो लोगों रिवोल्वर दिखाकर 33 लाख रुपये भरा बैग लुट कर फरार हो गए। घटना के आसपास कहीं भी सीसीटीवी नहीं था इसलिए पुलिस के समाने बड़ी चेलेन्ज था। पुलिस के लिए चुनौती है कि अपराध को सुलझाएं और आरोपी को कैसे पकडे।

दूसरी ओर, सूरत अपराध शाखा ने अपने गुप्तचरों को सक्रिय किया और पूरे मामले में हरियाणा के हिसार के एक कुख्यात गिरोह की संलिप्तता का विवरण पाया। जिसके आधार पर क्राइम ब्रांच की एक टीम हरियाणा गई थी।

वहां से क्राइम ब्रांच की टीम ने दोनों आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। हरियाणा से क्राइम ब्रांच की टीम ने सुरेश रामदास भगवान और रुपे राकेश गोधरा को गिरफ्तार किया। वहीं, इन दोनों लोगों को लूट की टीप देने वाले अश्विनी कुमार सुरजीत सिंह गढ़वाल को भी सूरत से गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों आरोपियों के पास से आठ लाख पचास हजार रुपये नकद, एक इनोवा कार और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए।आरोपी सुरेश रामदास ऑड हरियाणा में दोहरे हत्याकांड के आरोप में जेल में बंद था। उसे जमानत मिल गई और वह लूट को अंजाम देने के लिए सूरत आ गया।

अन्य आरोपी मोहित राधेश्याम गिर ने भी हरियाणा में कई अपराधों में शामिल है। दोनो आरोपीओं ने सूरत या गुजरात में अन्य किसी अपराध में शामिल है या नही उसकी जानकारी प्राप्त की जा रही है।

कोयला घोटाले में सीबीआई के सामने पेश नहीं हुए टीएमसी विधायक शौकत मोल्ला

कोलकाता (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस के विधायक शौकत मोल्ला कोयला खनन घोटाले की जांच के सिलसिले में शुक्रवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पेश नहीं हुए। सीबीआई के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कैनिंग पुरबा से विधायक शौकत मोल्ला ने कहा कि उनके पूर्व के कुछ निर्धारित कार्यक्रम थे, जिसके चलते वह पूछताछ के लिए सीबीआई के सामने पेश होने में नाकाम रहे। सीबीआई के एक अधिकारी ने कहा शौकत मोल्ला ने गुरुवार रात सीबीआई को ई-मेल भेजकर शुक्रवार को अधिकारियों के सामने पेश होने में असमर्थता जताई।

उन्होंने पूछताछ के लिए उपलब्ध होने के वास्ते कम से कम 15 दिन का समय मांगा। अधिकारी के मुताबिक, तृणमूल विधायक ने कहा कि उनकी पूर्व निर्धारित राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यस्तताएं हैं, जिसके चलते उनके वकील शुक्रवार को उनकी तरफ से सीबीआई कार्यालय पहुंचेंगे। सीबीआई ने कोयला घोटाले के सिलसिले में पूछताछ के लिए शौकत मोल्ला को शुक्रवार सुबह 11 बजे कोलकाता कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया था।

शौकत मोल्ला से बैंक लेनदेन और व्यवसाय से संबंधित दस्तावेज साथ लाने के लिए कहा गया था। अधिकारी के अनुसार, घोटाले में शामिल लोगों से पूछताछ के दौरान उनका नाम सामने आया था। गौरतलब है कि पश्चिम बर्धमान जिले में कोयला घोटाले के सिलसिले में अब तक कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अगस्त के अंत तक शुरू हो जाएगी पहले चरण की मेट्रो

चुनाव से पहले अहमदाबाद मेट्रो का पहला चरण शुरू करने की योजना

अहमदाबाद : अहमदाबाद वालों के लिए एक अच्छी खबर हैं। अहमदाबाद में बन रही मेट्रो परियोजना में फेज-1 के सभी रूटों को अगस्त तक शुरू किया जा सकता है। इस दौरान प्री-टेस्टिंग में पहली बार अहमदाबाद मेट्रो ट्रेन थलतेज तक चलाई गई है। इससे पहले शाहपुर से स्टेडियम तक प्री-टेस्टिंग की गई थी। चुनाव से पहले अहमदाबाद मेट्रो का पहला चरण शुरू करने की योजना है।

आपको बता दें कि मेट्रो रेल परियोजना ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि ट्रेन अगस्त 2022 में मेट्रो रेल चरण 1 के पूरे मार्ग पर चलेगी और मेट्रो रेल परियोजना उस ट्रेन को चलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। मेट्रो रेल ने इस टाइमलाइन की घोषणा की है। मेट्रो रेल चरण 1 पर अगस्त के अंत तक चलेगी। पहली बार ग्यासपुर से मोटेरा रूट पर ली गई मेट्रो रेल का ट्रायल होगा। ट्रायल के दौरान मेट्रो ट्रेन एपीएमसी, जीवराज, राजीवनगर, श्रेयस, पालड़ी, गांधीग्राम, ओल्ड हाई कोर्ट, उस्मानपुरा, विजय नगर, वदाज, रानिप, एईसी, साबरमती मेट्रो स्टेशनों से होते हुए मोटेरा मेट्रो स्टेशन पहुंची।

मेट्रो फेज 1 में कौन सी ट्रेन चलेगी, इस पर बात करें तो एक तरफ से वस्त्राल, रबारी कॉलोनी, अमराईवाड़ी, अपैरल पार्क, काकारिया ईस्ट, कालूपुर रेलवे स्टेशन, घी कांता, शापुर, ओल्ड हाई कोर्ट, स्टेडियम, मेट्रो कॉमर्स 6 रोड, गुजरात यूनिवर्सिटी, गुरुकुल रोड, दूरदर्शन केंद्र और थलतेज गांव पहुंचेंगे। दूसरे रूट में गैसपुर डिपो से एपीएमसी, जीवराज पार्क, राजीव नगर, श्रेयस, पालदी गांधी गांव, उस्मानपुरा, विजय नगर और वदाज थी रानिप, साबरमती रेलवे स्टेशन- एईसी साबरती और मोटेरा यात्रियों को मेट्रो ट्रेन का लाभ मिलेगा।

गौरतलब है कि अहमदाबाद में मेट्रो रेल का काम काफी समय से चल रहा है। जिससे शहर के नागरिकों को यातायात, दलदल, पेयजल समेत कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। क्योंकि अहमदाबाद के थलतेज में थलतेज गांव की ओर जाने वाला रास्ता एक हफ्ते से बंद है। सीवर पाइप लाइन टूट जाने से कीचड़ व केमिकल युक्त पानी पीने की बारी लोगों की है। सोसायटी की ओर जाने वाले रास्ते कुछ दिनों के लिए बंद रहेंगे और दुकानदारों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मोरारीबापू ने अमेरिका के टेक्सास की शाला में मृतक बच्चों के प्रति संवेदना व्यक्त कर सहाय भेजी

दो दिन पहले, अमेरिका में टेक्सास राज्य की एक शाला में गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें अमेरिका में फिर से गन कल्चर के घातक परिणाम सामने आए है। टेक्सास के एक प्राथमिक विद्यालय में एक 18 वर्षीय युवक ने 19 बच्चों और दो शिक्षकों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी। पिछले कई वर्षो से बापू एक शस्त्रविहीन समाज का विचार हमारे सामने रखते रहे हैं। दुनिया में एक बार फिर गन कल्चर बेकाबू होने से ऐसी दुखद घटना घटी है। इन परिस्थितियों में बापू द्वारा एक शस्त्रविहीन समाज का विचार प्रस्तुत किया गया है जो ज्यादा से ज्यादा प्रासंगिक होता जा रहा है।

नेपाल के जनकपुर में चल रही रामकथा के दौरान बापू ने इस घटना में मारे गए बच्चों और शिक्षकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। कथा के दौरान बापू ने अपील की, जिसके प्रतिसाद में रामकथा के अमेरिका स्थित श्रोताओं ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को 1000 डॉलर (77000 रूपये) की सहाय भेजी है। इस प्रकार कुल 21 हजार डॉलर (16.17 लाख रुपये) की सहायता भेजी गई है। बापू ने पुनः सभी मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और उनके निर्वाण की प्रार्थना की है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95